RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:234 ता. 05 मार्च 2024, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सीएम योगी आदित्यनाथ को फोन पर दी बम से उड़ाने की धमकी

लखनऊ ।यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को फोन पर बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। अज्ञात की धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन के होश उड़ गए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार रात को सुरक्षा मुख्यालय के सीयूजी नंबर पर एक अज्ञात शख्स ने फोन किया और

सीएम योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की धमकी दी है। जिसके बाद इस मामले में महानगर कोतवाली में तैनात हेड कांस्टेबल उधम सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार बीते शनिवार को लगभग रात 10 बजे के आस पास सुरक्षा मुख्यालय पर एक अज्ञात शख्स ने फोन किया। इस फोन कॉल को ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल ने उठाया, जिसके बाद आरोपी ने मुख्यमंत्री योगी को बम से उड़ाने की धमकी दी। कांस्टेबल ने जब फोन करने वाले युवक से उसका नाम पूछा तो आरोपी ने बिना कुछ बोले ही फोन काट दिया। इतना सुनते ही कांस्टेबल ने तुरंत इस बात की जानकारी अपने सीनियर ऑफिसर को दी, जिसके बाद वहां पर हड़कंप मच गया। फिलहाल, सुरक्षा मुख्यालय में तैनात मुख्य आरक्षी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं यूपी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।

नौसेना के शीर्ष कमांडरों का सम्मेलन आज से

नई दिल्ली। नौसेना के शीर्ष कमांडरों का तीन दिन का सम्मेलन मंगलवार को शुरू होगा और हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित किये जा रहे सम्मेलन को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह संबोधित करेंगे। सम्मेलन का पहला चरण समुद्र में आयोजित किया जा रहा है और रक्षा मंत्री उद्घाटन सत्र में नौसेना के दोनों विमानवाहक पोतों की संचालन क्षमता को परखेंगे। बाद में वह कमांडरों को संबोधित भी करेंगे। यह वार्षिक सम्मेलन नौसेना के कमांडरों के लिए समुद्री सुरक्षा से संबंधित रणनीतिक गतिविधियों, परिचालन एवं प्रशासनिक मामलों पर विचार-विमर्श करने के उद्देश्य से एक मंच के रूप में कार्य करता है। सम्मेलन उभरती हुई भू-राजनीतिक परिस्थितियों, आंचलिक चुनौतियों और इस क्षेत्र में मौजूदा अस्थिर समुद्री सुरक्षा स्थिति की पृष्ठभूमि में आयोजित किया जा रहा है। यह नौसेना द्वारा भविष्य की कार्यप्रणाली को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सम्मेलन के दौरान प्रमुख रक्षा अध्यक्ष भी सेना और वायु सेना के प्रमुखों के अलावा नौसेना के कमांडरों के साथ सामान्य राष्ट्रीय सुरक्षा माहौल के बारे में और तीनों सेनाओं के एकीकरण पर चर्चा करेंगे। वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा में तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और तत्परता बढ़ाने के अन्य उपायों पर भी बात करेंगे।

डब्ल्यूएफआई चुनाव के खिलाफ पहलवानों की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 04 मार्च (वेब वार्ता)। दिल्ली हाईकोर्ट पहलवान बजरंग पुनिया, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और उनके पति सत्यव्रत की याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा। पहलवानों ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव को गैर-कानूनी घोषित किए जाने की मांग की है। पहलवानों ने अपनी याचिका में कहा कि इस चुनाव में खेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित किए गए नियमों का उल्लंघन हुआ है। सुनवाई के लिए याचिका न्यायाधीश सचिन दत्ता के समक्ष सूचीबद्ध है। याचिका में दलील दी गई है कि 21 दिसंबर को हुए चुनाव में खेल मंत्रालय के नियमों की अवहेलना की गई है। इसके साथ ही फेडरेशन से मांग की गई है कि जब तक मामले का निस्तारण नहीं हो जाता, तब तक सभी प्रकार की गतिविधियों पर विराम लगाया जाए। महासंघ के कार्यों का हवाला देते हुए याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ताओं के अलावा कई एथलीटों को महासंघ के कारण नुकसान उठाना पड़ा है, खासकर पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के प्रभाव की वजह से।

भाजपा के सीनियर नेता ने दिए संकेत, बुधवार को फाइलन हो सकती दूसरी सूची

बेंगलुरु। भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने संकेत दिया कि लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की दूसरी सूची को बुधवार को अंतिम रूप देने की संभावना है। भाजपा ने दो मार्च को 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 195 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी। येदियुरप्पा ने कहा कि वे बुधवार को दिल्ली जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''परसों (बुधवार को) दिल्ली में बैठक है। मैं वहां जा रहा हूँ। संभवत: कर्नाटक सहित दूसरी सूची (लोकसभा उम्मीदवारों की) को अंतिम रूप दिया जा सकता है। इसलिए, मैं दिल्ली जा रहा हूं। मेरा मानना है कि बुधवार को सूची को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। सूची पर अंतिम फैसला शीर्ष नेतृत्व लेगा।'' यह पूछने पर कि क्या उम्मीदवारों की दूसरी सूची में कर्नाटक के सभी 28 निर्वाचन क्षेत्रों (लोकसभा सीट) के लिए उम्मीदवारों का नाम होगा, येदियुरप्पा ने कहा, ''संभवत: कोई देरी नहीं होगी। सभी सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा हो सकती है'' कर्नाटक में कुछ नए चेहरों को टिकट देने की संभावना पर उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं के मन में क्या है। उन्होंने कहा, ''अंतिम निर्णय दिल्ली में पार्टी के नेताओं द्वारा लिया जाएगा।''

मोदी ने तेलंगाना में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

पीएम मोदी ने तेलंगाना में दी विकास की गारंटी, दिया अबकी बार 400 पार का नारा

-प्रधनमंत्री ने आदिलाबाद में जनसभा को किया संबोधित, सीएम ने भी किया मंच साझा

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के आदिलाबाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए विकास की गारंटी दी। उन्होंनें अबकी बार 400 पार का नारा भी दिया। लोकसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी ने सोमवार को तेलंगाना में 56 हजार करोड़ रुपए की विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए कहा कि मौजूदा वक्त में देश विकास का उत्सव मना रहा है। इस समय दुनिया में भारत के विकास की चर्चा हो रही है। अब तेलंगाना में विकास का उत्सव मनाने आया हूं। इतना ही नहीं, पीएम मोदी ने अबकी बार एनडीए 400 पार का नारा देते हुए कहा कि आदिवासियों के विकास के लिए अलग मंत्रालय बनाने का काम बीजेपी सरकार ने ही किया है। आदिवासी समाज को सम्मान मिले, ये परिवारवादियों को बर्दाश्त नहीं होता। इन्होंने हमेशा इनके लिए योजनाओं का विरोध करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि परिवारवादी पार्टी के चेहरे अलग हो सकते है, लेकिन चरित्र एक ही है। इनमें एक चीज समान हैं सबमें- एक झूठ दूसरा लूट। पीएम मोदी ने कहा कि टीआरएस, बीआरएस और कांग्रेस सब एक ही थाली के चट्टे बट्टे हैं।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण के आकंठ डूबे इंडी गठबंधन के नेता बौखलाते जा रहे हैं। मैं इनपर सवाल उठाता हूं तो कहते हैं मोदी का परिवार नहीं। अब कह देंगे तुम कभी जेल नहीं गए, इसलिए नेता नहीं बन सकते। मेरा जीवन खुली किताब जैसा है। मेरी पल पल की खबर देश रखता है। इससे पहले पीएम के आधिकारिक समारोह में राज्य की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन और सीएम ए. रेवंत रेड्डी सहित अन्य लोग शामिल हुए। बता दें कि लंबे समय बाद तेलंगाना के किसी सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी की और आधिकारिक कार्यक्रम के दौरान उनके साथ मंच साझा किया।

बता दें कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने अतीत में कई मौकों पर राज्य में प्रधानमंत्री के आधिकारिक कार्यक्रमों से दूरी बनाई थी। यहां कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने अन्य परियोजनाओं के अलावा पेद्दापल्ली में एनटीपीसी की 800 मेगावाट (इकाई-2) क्षमता वाली तेलंगाना सुपर थर्मल पावर परियोजना का उद्घाटन किया। 'अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल' प्रौद्योगिकी पर आधारित यह परियोजना तेलंगाना को 85 प्रतिशत बिजली की आपूर्ति करेगी। प्रधानमंत्री ने झारखंड के चतरा में स्थित उत्तरी करणपुरा ताप विद्युत परियोजना की 660 मेगावाट (इकाई-2) भी राष्ट्र को समर्पित करते हुए जनता को संबोधित किया।

'140 करोड़ देशवासी ही मेरा परिवार हैं', पीएम मोदी का लालू यादव को जवाब

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के बयान का करारा जवाब दिया। पटना के गांधी मैदान में एक रैली को संबोधित करते हुए लालू यादव ने कहा था कि पीएम मोदी का कोई परिवार नहीं है। अब लालू यादव के इस बयान पर तेलंगाना के आदिलाबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने बता दिया कि 140 करोड़ देशवासी ही मेरा परिवार हैं। पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, 'भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण में आकंठ डूबे इंडी गठबंधन के नेता बौखलाते जा रहे हैं। अब इन्होंने 2024 के चुनाव का अपना असली घोषणा पत्र निकाला है। मैं इनके परिवारवाद पर सवाल उठाता हूं, तो इन लोगों ने अब बोलना शुरू कर दिया है कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। मेरा जीवन खुली किताब जैसा है, देश की जनता भली-भांति जानती है, मेरी पल-पल की खबर देश रखता है और मैं कभी देर रात जब काम करता हूं, खबर निकल जाती है, देश के लाखों लोग मुझे लिखते हैं कि इतना काम मत करिए, कुछ आराम कर लीजिए। एक सपना लेकर बचपन में घर छोड़ा था। जब मैंने अपना घर छोड़ा था, एक सपना लेकर चला था कि मैं देशवासियों के लिए जिऊंगा। मेरा कोई निजी सपना नहीं होगा। आपका सपना ही मेरा संकल्प होगा। आपके सपने को पूरा करने के लिए और आपके बच्चों का भविष्य बनाने के लिए अपने आप को खपा दूंगा।' पीएम मोदी ने आगे लालू यादव पर निशाना साधते हुए कहा, 'मैं इनसे कहना चाहता हूं कि 140 करोड़ देशवासी, यही मेरा परिवार है, ये नौजवान मेरा परिवार है, आज देश की करोड़ों माताएं-बहनें, बच्चे, बुजुर्ग यही मेरा परिवार है। जिसका कोई नहीं है, वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत-मेरा परिवार है।' बता दें कि लालू यादव ने रविवार को महागठबंधन की रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हुए कहा था कि आज पीएम परिवारवाद का जिक्र कर रहे हैं, आपका परिवार नहीं है और आप हिंदू भी नहीं हैं।

महंगायी, बेरोजगारी और भ्रष्ट्राचार जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने का किया जा रहा है काम : राहुल

शिवपुरी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने केन्द्र सरकार पर आरोप लगाते हुए आज कहा कि देश में महंगायी, बेरोजगारी और भ्रष्ट्राचार जैसे तीन प्रमुख मुद्दें हैं, लेकिन इन मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, लोगों का ध्यान इन मुद्दों से भटकाने का काम किया जा रहा है। श्री गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान यहां अपने संबोधन में कहा कि आज देश में तीन प्रमुख मुद्दे हैं, बेरोजगारी महंगाई और भ्रष्टाचार, लेकिन इन मुद्दों की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इन मुद्दों से ध्यान हटाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) लागू करके गरीबों की जेब से ज्यादा पैसा निकाला जा रहा है जबकि अमीरों की जेब से बहुत कम राशि निकलती है। इसी प्रकार से जरूरतमंदों को पर्याप्त नौकरियां भी नहीं मिल पा रही हैं एवं सेना में भी अग्निवीरों की भर्ती की जा रही है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री गांधी ने कहा कि इन सब मुद्दों की तरफ किसी का ध्यान नहीं है। श्री गांधी ने आज शिवपुरी में रोड शो किया और खुली जीप से ही संबोधित दिया तथा गुना के लिए रवाना हो गए।

रिश्वतखोरी संसदीय विशेषाधिकार के रूप में संरक्षित नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को 1998 के 'पीवी नरसिम्हा राव' मामले में अपने फैसले को पलटते हुए कहा कि रिश्वतखोरी संसदीय विशेषाधिकारों द्वारा संरक्षित नहीं है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने यह सर्वसम्मत फैसला दिया।पीठ ने माना कि संविधान के अनुच्छेद 105 या 194 के तहत रिश्वतखोरी को छूट नहीं दी गई है, क्योंकि रिश्वतखोरी में लिप्त एक सदस्य एक आपराधिक कृत्य में शामिल होता है। सात सदस्यीय पीठ ने कहा, 'हम मानते हैं कि रिश्वतखोरी संसदीय विशेषाधिकारों द्वारा संरक्षित नहीं है। भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी भारतीय संसदीय प्रणाली के कामकाज को नष्ट कर देती है।' पीठ ने अपने सर्वसम्मत फैसले से 1998 के 'जेएमएम रिश्वत मामले' के नाम से चर्चित मामले में शीर्ष अदालत की पांच सदस्यीय पीठ के बहुमत के फैसले से असहमति जताई। पीठ ने कहा कि राज्यसभा

चुनाव में वोट देने के लिए रिश्वत लेने वाले विधायक पर भी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है। पांच सदस्यीय संविधान पीठ के 3-2 के बहुत फैसले में व्यापक प्रभाव और सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के लिए संसद में मतदान के लिए रिश्वतखोरी के खिलाफ मुकदमा चलाने से सांसदों को छूट दी गई थी। सात सदस्यीय पीठ ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सिबू सोरेन की बहू सीता सोरेन की याचिका पर 5 अक्टूबर 2023 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सीता सोरेन पर 2012 के राज्यसभा चुनाव में एक खास उम्मीदवार को वोट देने के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगाया था। शीर्ष अदालत के समक्ष यह सवाल तब उठा था, जब सीता सोरेन ने 2012 के राज्यसभा चुनाव के दौरान रिश्वतखोरी के आरोप में अपने खिलाफ मुकदमा चलाने को चुनौती दी।

दिल्ली सरकार का 76,000 करोड़ रुपये का बजट पेश, महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 1,000 रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने सोमवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 76,000 करोड़ रुपये के परिव्यय का बजट पेश किया। अपना पहला बजट पेश करते हुए आतिशी ने 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' की घोषणा की, जिसके तहत 18 वर्ष और इससे अधिक आयु की सभी महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये दिए जाएंगे। आतिशी ने अपने बजट भाषण में कहा कि सरकार राम राज्य के आदर्शों से प्रेरित है।

आम चुनाव से पहले राज्य विधानसभा में पेश किए गए बजट में उन्होंने 'बिजनेस ब्लास्टर्स' योजना का विस्तार विश्वविद्यालयों और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) तक करने की घोषणा की। अभी तक यह योजना स्कूलों में लागू की जा रही थी।

पिछले साल सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 78,800 करोड़ रुपये आवंटित किए थे और जी20 की तैयारियों के तहत नौ योजनाओं की घोषणा की थी। दिल्ली सरकार के बजट का आकार वित्त वर्ष 2022-23 में 75,800 करोड़ रुपये और इससे पिछले वित्त वर्ष में 69,000 करोड़ रुपये था। पिछले साल वित्त विभाग का कार्यभार संभालने के बाद आतिशी ने पहली बार बजट पेश किया है।

अपने बजट भाषण में उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में शिक्षा और स्वास्थ्य मॉडल को आकार देने में पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'यह गौरव का क्षण है कि अरविंद केजरीवाल सरकार आज अपना दसवां बजट पेश कर रही है। मैं सिर्फ दसवां बजट नहीं, बल्कि बदलती दिल्ली की तस्वीर पेश कर रही हूं। केजरीवाल आशा की किरण बनकर आए। हम सभी राम राज्य से प्रेरित हैं। हम राम राज्य के सपने को साकार करने की दिशा में कड़ी मेहनत कर रहे हैं।'उन्होंने शिक्षा क्षेत्र के लिए 16,396 करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव रखा और क्षेत्र में आप (आम आदमी पार्टी) सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। शिक्षा बजट के तहत शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) को 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, और नए स्कूलों और कक्षाओं के निर्माण के लिए 150 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने मौजूदा कक्षाओं के रखरखाव के लिए 45 करोड़ रुपये और विशिष्ट उत्कृष्टता स्कूलों के लिए 42 करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया है।

वित्त मंत्री ने खेल शिक्षा के लिए 118 करोड़ रुपये, उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के लिए 1,212 करोड़ रुपये और 'बिजनेस ब्लास्टर्स सीनियर' के लिए 15 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की। उन्होंने कहा, 'केजरीवाल सरकार बजट में 15 करोड़ रुपये के आवंटन के माध्यम से अपने विश्वविद्यालयों और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 'बिजनेस ब्लास्टर' योजना लागू करेगी।' सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 8,685 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसमें से 6,215 करोड़ रुपये की राशि अस्पतालों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रस्तावित है।

वित्त मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार के तहत 38 अस्पताल आते हैं, जिनमें प्रतिदिन 81,000 ओपीडी मरीजों का निःशुल्क इलाज किया जाता है। वहीं इनमें हर महीने 65,805 आईपीडी मरीजों का इलाज किया जाता है। बाह्य रोगी विभाग को ओपीडी और आंतरिक रोगी विभाग को आईपीडी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में फिलहाल 530 मोहल्ला क्लीनिक हैं, जहां प्रतिदिन 64,000 लोगों को मुफ्त दवाएं, जांच और इलाज की सुविधा मिलती है। उन्होंने बताया कि 'फरिश्ते दिल्ली के' योजना ने 22,000 लोगों की जान बचाई है।

वित्त मंत्री ने समाज कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और एससी/एसटी/ओबीसी कल्याण विभाग के तहत विभिन्न योजनाओं के लिए 6,216 करोड़ रुपये के बजट परिव्यय की घोषणा की। इसके अलावा सरकार ने 2024-25 से महिलाओं के कल्याण और सशक्तीकरण को 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' के लिए 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इस योजना के तहत 18 साल और इससे अधिक आयु की सभी महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि किसी महिला को योजना के तहत पात्र बनने के लिए दिल्ली का मतदाता होना चाहिए। इन महिलाओं को किसी अन्य योजना का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इसके अलावा महिला आयकरदाता भी नहीं होनी चाहिए। इस साल जनवरी में प्रकाशित दिल्ली की अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में 67,30,371 महिला मतदाता हैं।

हथियारों के आयात पर निर्भरता घातक साबित हो सकती है : राजनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि देश हथियारों या प्लेटफार्मों के आयात पर निर्भर नहीं रह सकता क्योंकि यह रणनीतिक रूप से घातक हो सकता है और मोदी सरकार सत्ता में आने के बाद से ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढाने के लिए अनेक कदम उठा रही है।

श्री सिंह ने सोमवार को यहां मानेकशॉ सेंटर में डेफकनेक्ट 2024 के दौरान उद्योग जगत, उद्यमियों, इनोवेटर्स और नीति निर्माताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'आत्मनिर्भरता के बिना, भारत वैश्विक मुद्दों पर अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र निर्णय नहीं ले सकता है।'

रक्षा मंत्री ने कहा, 'रणनीतिक स्वायत्तता तभी बरकरार रखी जा सकती है जब हथियार और उपकरण हमारे अपने लोगों द्वारा भारत में बनाए जाएं। हम इस दिशा में काम कर रहे हैं और परिणाम सकारात्मक हैं। जहां 2014 में हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन लगभग 44,000 करोड़ रुपये था, वहीं आज यह एक लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर गया है और लगातार बढ़ रहा है। हमारे लगातार प्रयासों से यह बदलाव आया है।'

उन्होंने कहा कि घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए गए हैं, जिसमें रक्षा पूंजी खरीद बजट का 75 प्रतिशत भारतीय कंपनियों के लिए निर्धारित करना भी शामिल है। श्री सिंह ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला जिसमें भारत में निर्मित या निर्मित होने वाले प्रमुख प्लेटफार्मों और उपकरणों की सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची को अधिसूचित करना भी शामिल है।

उन्होंने रक्षा उत्पादन विभाग को यह भी सुझाव दिया कि आने वाले वर्षों में हमें आयात की जाने वाली वस्तुओं की एक छोटी नकारात्मक सूची लानी चाहिए और पूर्ण आत्म-सम्मान हासिल करने के लिए उस सूची को खत्म करने का प्रयास करना चाहिए। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार तथा वाणिज्य एक-दूसरे पर निर्भर हैं और निजी क्षेत्र को फलने-फूलने के लिए एक मंच की आवश्यकता है, जो अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा प्रदान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र को एक मंच प्रदान करने के लिए कानून -व्यवस्था, स्वस्थ और कुशल कार्यबल, कानून का शासन तथा अनुसंधान और विकास पारिस्थितिकी तंत्र जैसे कई पहलुओं की आवश्यकता है। समाज और सरकार मिलकर इन आवश्यकताओं को पूरा करते हैं ताकि निजी क्षेत्र आगे बढ़े और अर्थव्यवस्था की उत्पादकता और क्षमता को बढ़ावा दे। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी में या तो अन्य देशों के नवीनतम नवाचार को अपनाकर या अपना खुद का विकास करके महारत हासिल की जा सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा, 'सरकार दोनों तरीकों पर काम कर रही है।'

अनंत अंबानी के प्री वेडिंग में जामनगर एयरपोर्ट के सभी रिकार्ड टूटे, दो दिन में 160 विमान उतरे

जामनगर । देश के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चंट के प्री वेडिंग फंक्शन के चलते जामनगर एयरपोर्ट के सभी रिकार्ड टूट गए। दो दिन के भीतर जामनगर एयरपोर्ट पर 160 विमान उतरे। आमतौर पर जामनगर हवाई अड्डे पर प्रति दिन 3 विमानों का आगमन और 3 विमानों का प्रस्थान होता है। परंतु अनंत अंबानी और राधिका मर्चंट की प्री वेडिंग पार्टी के कारण जामनगर एयरपोर्ट का एक नया रिकार्ड बना है। अनंत अंबानी और राधिका मर्चंट का प्री वेडिंग फंक्शन पिछले काफी समय से दुनियाभर में चर्चा का विषय बना हुआ था। तीन दिन का प्री वेडिंग कार्यक्रम संपन्न हो चुका है। जिसमें देश-विदेश की मशहूर हस्तियां शामिल हुईं। मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चंट की प्री-वेडिंग के लिए भारत और विदेश से आमंत्रित मेहमानों को जामनगर लाने और वापस ले जाने के लिए कई विमान लगाए गए थे। समारोह में शामिल होने के लिए देश-विदेश के विभिन्न शहरों से यहां आए वीआईपी मेहमानों को जामनगर ले जाने के लिए शटल सेवा लगाई गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक मुकेश अंबानी ने अपने बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चंट की प्री-वेडिंग में शामिल होने के लिए मेहमानों के लिए करीब 20 विमानों का इंतजाम किया था। इसके अलावा अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग पार्टी के कारण 26 फरवरी से जामनगर एयरपोर्ट पर भारी हवाई यातायात रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 26 फरवरी से 3 मार्च तक 4,500 यात्रियों को एयरपोर्ट से आते-जाते देखा गया। इसी प्रकार 26 फरवरी से आज तक 350 घरेलू और 86 अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें संचालित की गई हैं। 164 अंतरराष्ट्रीय यात्री विमान आए हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने हवाई अड्डे को 26 फरवरी से 6 मार्च तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करने की अनुमति दी है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार जामनगर हवाईअड्डे से आमतौर पर 3 निर्धारित उड़ानों का आगमन और 3 उड़ानें प्रस्थान होता है। हालांकि अनंत अंबानी और राधिका के प्री-वेडिंग फंक्शन के कारण 1 मार्च से 3 मार्च के बीच 160 उड़ानें उड़ान भरी और उतरीं, जिनमें 30 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल थीं। गौरतलब है कि अरबपति मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे के विशेष समारोह में बिल गेट्स, मार्क जुकरबर्ग, रिहाना, इवांका ट्रंप और कई पूर्व प्रधानमंत्रियों जैसी हस्तियां आई थीं। इसके अलावा देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों ने अनंत अंबानी और राधिका मर्चंट की प्री वेडिंग पार्टी में शिरकत की थी।

हिमाचल : स्पीति घाटी में सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए पर्यटक ; बर्फबारी और बारिश से 650 सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी में फंसे 81 पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। भारी बर्फबारी होने से सड़कें बंद होने के कारण पर्यटक फंस गए थे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, राज्य में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश और बर्फबारी के कारण कई जगह हिमस्खलन और भूस्खलन हुए। जिसके कारण पांच राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 650 से अधिक सड़कें सोमवार को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद रहीं। पुलिस ने एक बयान में कहा, लाहौल-स्पीति जिले की स्पीति घाटी में फंसे 81 पर्यटकों को रविवार रात सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और विभिन्न होटलों और होमस्टे में ठहराया गया। बयान में कहा गया है कि इस आदिवासी बहुल जिले में लगभग 290 सड़कें अवरुद्ध हैं और कई इलाकों में पिछले दो दिनों से बिजली नहीं है। लाहौल-स्पीति में भारी बारिश और बर्फबारी के कारण मोबाइल नेटवर्क भी बाधित हो गया है। अधिकारियों ने कहा कि रविवार को लाहौल-स्पीति में जसरत गांव के पास हिमस्खलन से दारा झरने पर असर पड़ा चिनाब नदी का प्रवाह बाधित हो गया तथा आसपास के इलाके में अलर्ट जारी कर दिया गया। उन्होंने जोबरंग, रापी, जसरत, तरंद और थरोट के आसपास के गांवों के निवासियों को सतर्क रहने और आपात स्थिति में निकटतम पुलिस चौकी को सूचित करने की सलाह दी है। इस बीच, राज्य भर में शीतलहर की स्थिति जारी रही।

केरल में छात्र की मौत का मामला : रिमांड रिपोर्ट में निर्वस्त्र करने, तार से पिटायी करने का दावा

वायनाड (केरल)। वायनाड में केरल पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के द्वितीय वर्ष के एक छात्र की हाल में हुई मौत से जुड़े एक संदिग्ध की रिमांड रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि पीड़ित को निर्वस्त्र किया गया था और उसके साथ बुरी तरह मारपीट की गयी थी। पुलिस ने 20 वर्षीय सिद्धार्थन जे.एस. की मौत के मामले में सभी 18 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सिद्धार्थन 18 फरवरी को अपने छात्रावास के बाथरूम में फंदे से लटके मिले थे। अदालत से आरोपियों को जमानत न देने का अनुरोध करते हुए पुलिस द्वारा रविवार को सौंपी गयी रिपोर्ट में कहा गया है कि सिद्धार्थन की पिटायी करने में एक बेल्ट और केबल की तार का इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता और केरल रैगिंग निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिद्धार्थन के सहपाठियों और वरिष्ठों ने उस पर कॉलेज की एक छात्रा से दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए छात्रावास के अंदर एक पंचायत बैठायी थी। पुलिस ने बताया कि एक आरोपी ने अपने घर के लिए निकल चुके सिद्धार्थन को छात्रावास के एक 'अलिखित कानून' का इस्तेमाल कर अपने 'दुर्व्यवहार' से संबंधित मामले में समझौता कराने के लिए वापस कॉलेज बुलाया था। रिपोर्ट में कहा गया है, 'उसका अंतर्वस्त्र उतरवाया गया और आरोपियों ने उसकी पिटायी की। उनमें से कुछ ने बेल्ट और केबल की तार का इस्तेमाल किया।' इसमें कहा गया है कि उससे 16 फरवरी की रात नौ बजे मारपीट शुरू की गयी और देर रात दो बजे तक उसका उत्पीड़न जारी रहा। पुलिस ने अदालत से आरोपियों को जमानत न देने का अनुरोध किया क्योंकि मृतक छात्र के माता-पिता ने यह दावा करते हुए पूर्ण जांच की मांग की है कि उनके बेटे ने आत्महत्या नहीं की होगी। मृतक छात्र के माता-पिता ने दावा किया कि उसके कुछ सहपाठियों ने उन्हें बताया कि स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कुछ स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उसकी पीट-पीटकर हत्या की है।

दो स्कूलों को दी बम से उड़ाने की धमकी, छात्र व कर्मचारी दहशत में

चैन्नई । तमिलनाडु के दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इससे स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों, कर्मचारियों और अभिभावकों के हाथपैर फूल गए हैं। जिन स्कूलों को धमकी मिली है, उनमें कोयंबटूर में पीएसबीबी मिलेनियम स्कूल और कांचीपुरम जिले के एक निजी स्कूल का नाम शामिल है। जहां पीएसबीबी मिलेनियम स्कूल को रविवार रात को एक ईमेल मिला, वहीं दूसरे स्कूल को सोमवार सुबह एक फर्जी कॉल आई थी। हालांकि सूचना मिलने के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ता तुरंत पीएसबीबी मिलेनियम स्कूल पहुंचा और जांच शुरू कर दी। लेकिन अधिकारी कोई विस्फोटक ढूंढने में असफल रहे। पीएसबीबी मिलेनियम स्कूल के बनाए गए एक वीडियो में पुलिस कर्मियों को लोगों से पूछताछ करते हुए भी दिखाया गया है, जबकि खाली स्कूल बसें परिसर में आवाजाही कर रही हैं। पु?लिस ने अभी यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि मेल किसने भेजा और फर्जी कॉल किसने की। चूंकि स्कूलों में इस समय 11वीं कक्षा के छात्रों की परीक्षाएं चल रही हैं, इसलिए पुलिस ने स्कूलों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान की है। धमकी के चलते दोनों ही स्कूलों में बिना गहन जांच के किसी को भी परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है।

टीटी ने चलती ट्रेन से महिला को दिया धक्का, रीढ़ की हड्डी टूटी

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में चलती ट्रेन से टीटी ने एक महिला को धक्का दे दिया। गिरने से महिला की रीढ़ की हड्डी टूट गई है, जबकि शरीर के कई दिस्सों में फ्रेक्चर आया है। फिलहाल घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। आरोपी टीटी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार एक महिला गलती से झेलम एक्सप्रेस के एसी कोच में चढ़ गई। इस पर महिला को टीटी ने चलती ट्रेन से धक्का दे दिया। फिलहाल, जीआरपी पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ टीटीई के खिलाफ धारा 307 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। महिला अस्पताल में भर्ती है। उसकी पहचान फरीदाबाद की रहने वाली भावना के तौर पर हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया ऐतिहासिक फैसला, महुआ मोइत्रा और बागी विधायकों पर आया संकट

बिहार में आरजेडी नेताओं को हो सकती दिक्कत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा कि सांसदों और विधायकों को सदन में वोट डालने या भाषण देने के लिए रिश्वत लेने के मामले में अभियोजन से छूट नहीं होती है। सीजेआई की अगुवाई वाली सात-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रिश्वत मामले में पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सुनाए गए 1998 के फैसले को सर्वसम्मति से पलट दिया है। पांच न्यायाशीधों की पीठ के फैसले के तहत सांसदों और विधायकों को सदन में वोट डालने या भाषण देने के लिए रिश्वत लेने के मामले में अभियोजन से छूट दी गई थी।

सीजेआई ने फैसला सुनाकर कहा कि रिश्वतखोरी के मामलों में संसदीय विशेषाधिकारों के तहत संरक्षण प्राप्त नहीं है। 1998 के फैसले की व्याख्या संविधान के अनुच्छेद 105 और 194 के विपरीत है। अनुच्छेद 105 और 194 संसद और विधानसभाओं में सांसदों और विधायकों की शक्तियों एवं विशेषाधिकारों से संबंधित हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने पीठ के लिए फैसले का मुख्य भाग पढ़कर कहा कि रिश्वतखोरी के मामलों में इन अनुच्छेदों के तहत छूट नहीं है, क्योंकि यह सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी को नष्ट करती है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हिमाचाल और बिहार पर

असर

- हिमाचल पुलिस अपनी जांच में ये पाती है कि बागी विधायकों ने रिश्वत लेकर क्रॉस वोटिंग की तब उन पर कार्रवाई हो सकेगी है।

- इतना ही नहीं बिहार में फ्लोर टेस्ट में नीतीश कुमार की सरकार बच गई लेकिन जदयू विधायक सुधांशु शेखर ने अब आरजेडी नेताओं पर हॉर्स ट्रेडिंग के मामले में केस दर्ज कराया है। शेखर का आरोप है कि जदयू के विधायकों को तोड़ने के लिए 10-10 करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया था। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट आदेश के बाद हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन पर मुकदमा चल सकेगा। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने अगर रिश्वत लेकर सवाल पूछा तब आपराधिक कार्रवाई हो सकती है।

गहलोत ने मोदी सरकार से दोनों कार्यकाल के वादों का मांगा हिसाब

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केन्द्र की मोदी सरकार पर अगली सरकार के सौ दिन की कार्ययोजना एवं अगले 25 साल पर चर्चा के नाम पर जनता को भ्रमित करने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उसे पहले उसके वर्ष 2014 एवं 2019 के वादों का हिसाब देना चाहिए। श्री गहलोत ने सोशल मीडिया के जरिए यह बात कही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने हाल में बैठक कर चुनाव होने से पूर्व ही अगली सरकार के 100 दिन की कार्ययोजना एवं अगले 25 साल पर चर्चा कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया है लेकिन पिछले दोनों चुनावों के घोषणा पत्रों की घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट आज तक नहीं दी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पहले अपने वर्ष 2014 एवं 2019 के वादों का हिसाब दे क्योंकि 2014 में सौ दिन में विदेश से कालाधन वापस लाने एवं दो करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष जैसे जुमलों को जनता अभी भूली नहीं हैं। श्री गहलोत ने कहा कि देश के युवाओं को भावनात्मक मुद्दों से भ्रमित होने की बजाय कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बातों, तथ्यों एवं चिंताओं को जान कर एवं सोच समझकर ही अपने बेहतर भविष्य के लिए वोट करना चाहिए।

मैजिकल ट्रीटमेंट को असम सरकार ने किया बैन, ईसाई समुदाय नाराज

-गैर-वैज्ञानिक हीलिंग प्रैक्टिस को क्राइम किया घोषित, प्रार्थना भी आई लपेटे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब मैजिकल ट्रीटमेंट को असम सरकार ने बैन कर दिया है। इससे ईसाई समुदाय नाराज हो रहा है। क्योंकि इस बिल से प्रार्थना से इलाज भी लपेटे में आ गया है। बता दें कि पूर्वोत्तर राज्य असम में एक के बाद एक कई बड़े फैसले हो रहे हैं। कुछ समय पहले ही वहां की कैबिनेट ने स्वदेशी मुस्लिम आबादी के सामाजिक-आर्थिक सर्वे को मंजूरी दी। इससे उन मुस्लिमों को ज्यादा सुविधाएं मिल सकेंगी, जो असम के मूल निवासी हैं, जबकि बांग्लाभाषी समुदाय अलग छंट जाएगा। इस बात पर विरोध थमा भी नहीं था, कि हिमंत सरकार ने एक और बिल पारित कर दिया। असम हीलिंग (प्रिवेंशन ऑफ एविल) प्रैक्टिसेस बिल एक तरह से जादू-टोने और झाड़-फूंक से इलाज पर रोक लगाता है। लेकिन सवाल ये है कि इसपर कोई समुदाय क्यों खुद को निशाने पर आया महसूस कर रहा है। स्टेट में धर्मांतरण की शिकायतों के साथ ही उसका विरोध करने वाले

दल भी बढ़े।

पिछले महीने एक हिंदू समूह कुटुंब सुरक्षा परिषद ने स्थानीय मिशनरी स्कूलों से कहा कि वे अपने कैंपस से क्रिश्चियन प्रतीक हटा लें। एक और ग्रुप ने कई शहरों में कैंपेन चलाया, जिसमें स्कूलों से एंटी-भारत गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग है। संगठनों का कहना है कि स्कूलों का इस्तेमाल धार्मिक चीजों के लिए हो रहा है। इस गहमागहमी के बीच सोमवार, 26 फरवरी को वहां की विधानसभा में एक बिल पारित हो गया। कथित तौर पर ये ईसाई कम्युनिटी को टारगेट करने वाला है। हीलिंग प्रैक्टिसेस बिल में कहा गया है कि ये मासूम और भोले-भाले लोगों का शोषण करने के लिए बनी गैर-वैज्ञानिक हीलिंग प्रैक्टिस को क्राइम घोषित करता है।

इधर असम क्रिश्चियन फोरम नामक संगठन ने कहा कि ईसाइयों में मैजिकल हीलिंग जैसा कोई शब्द नहीं। यहां प्रेयर के जरिए इलाज होता है, जैसा दूसरे धर्मों में भी है। अगर कोई बीमार शख्स हमारे पास आए तो उसके लिए सामूहिक रूप से प्रार्थना की जाती है। ये जादू नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया में ऐसा किया जाता है। क्रिश्चियन्स ही नहीं, कई धर्मों में प्रार्थना से इलाज की बात होती है। इसे फेथ हीलिंग भी कहते हैं। इसमें किसी बीमारी को ठीक करने के लिए व्यक्तिगत तौर पर या ग्रुप में दुआएं की जाती हैं। यही वजह है कि चंगाई सभाएं भी संदेह के घेरे में आने वाली हैं।

केजरीवाल ईडी के जवाब देने को तैयार बोले- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी पूछताछ

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के संयोजक ईडी की पूछताछ से लगातार बच रहे हैं। इस बार उन्होंने ईडी के जवाब देने के लिए एक शर्त रखते हुए कह दिया है कि यदि पूछताछ करना ही है तो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी के लिए तैयार हैं। उन्होंने इसके लिए ईडी को 12 मार्च के बाद की कोई तारीख देने को कहा है।ईडी ने कथित शराब घोटाले से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग केस में घिरे केजरीवाल को 27 फरवरी को 8वां समन भेजकर 4 मार्च को पेश होने के लिए कहा था। यह आठवीं बार है जब केजरीवाल ईडी के समन पर एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए। केजरीवाल अब तक एक भी समन पर ईडी के सामने पेश नहीं हुए हैं। उन्होंने हर बार इन समन को 'अवैध' करार दिया है। इससे पहले उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय को भी पत्र लिखकर ये समन वापस लेने की मांग की थी। बता दें शराब घोटाले में पूछताछ के लिए कई बार समन भेजे जाने के बाद भी केजरीवाल के पेश नहीं होने को लेकर इस बारे में अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर अदालत ने केजरीवाल को 16 मार्च को उसके समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है ईडी ने आठवां समन जारी करते हुए इस तर्क को खारिज कर दिया था कि केजरीवाल को पेश होने के लिए भेजा गया नया नोटिस अनुचित है, क्योंकि मामला स्थानीय अदालत में विचाराधीन है।आप के अनुसार, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय को जवाब भेजा है। उन्होंने कहा कि समन गैरकानूनी है, लेकिन फिर भी वह जवाब देने को तैयार हैं।अरविंद केजरीवाल ने ईडी से 12 मार्च के बाद की तारीख मांगी है।

नितिन गडकरी का नाम बीजेपी की लिस्ट में नहीं दिखा तो उद्धव ठाकरे भड़के

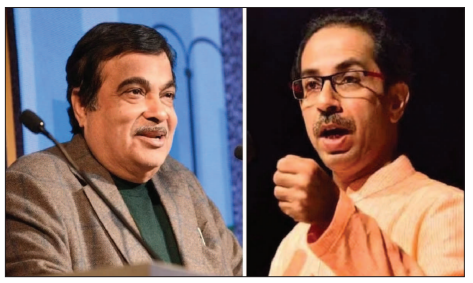

मुंबई (एजेंसी)। बीजेपी ने पहली लिस्ट से नितिन गडकरी को बाहर कर दिया तो शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे भड़क गए हैं। उन्होंने तो यहां तक कहा है कि हम मोदी, शाह को तो जानते तक नहीं हैं। ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी की पहली सूची जारी होने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही है। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का नाम लिस्ट में नहीं होने पर जमकर नाराजगी जाहिर की है।

गौरतलब है कि भाजपा ने शनिवार को 195 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। इसके बाद रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान ठाकरे ने कहा ?कि हम भाजपा को प्रमोद महाजन और गोपीनाथ मुंडे की वजह से जानते हैं। हमारे उनके साथ पारिवारिक संबंध हैं और महाजन को भाजपा-शिवसेना गठबंधन का आर्किटेक्ट कहा जाता था। उन्होंने कहा कि गडकरी बाद में आए। हम मोदी और शाह जैसे नामों को जानते भी नहीं थे। ठाकरे ने कहा, गडकरी ने मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे और मुंबई में 55 फ्लायओवर बनाकर बहुत अच्छे काम किए हैं। वह कद्दावर भाजपा नेता हैं, लेकिन उनका नाम उम्मीदवारों की पहली सूची में नहीं है। उन्होंने जबकि आय से अधिक संपत्ति के मामले में फंसे कृपाशंकर सिंह का नाम लिस्ट में होने पर हैरानी जताई है। ठाकरे ने कहा कि दिल्ली में सरकार बनाने में महाराष्ट्र अहम रोल अदा करता है। यही वजह है कि पिछले चुनाव में भाजपा और शिवसेना ने 42 सीटें जीती थीं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र की सीटों के बगैर एनडीए 250 सीटों का भी आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा, कि इस बार भाजपा ने नारा दिया है कि अबकी बार 400 पार, लेकिन मैं कहता हूं कि अबकी बार भाजपा तड़ीपार। उन्होंने कहा कि वह मोदी के नहीं, बल्कि तानाशाही के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, हमें लोकतंत्र चाहिए और इसलिए हम एक विकल्प पेश कर रहे हैं। हमारे बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हम साथ लोकतंत्र बचाने के लिए आए हैं। उन्होंने मणिपुर मुद्दे पर भी पीएम नरेंद्र मोदी से सवाल किया।

रायबरेली की बजाय दमन और दीव से मिल सकता है प्रियंका गांधी को टिकिट

-चुनावी मैदान में उतरने को लेकर कांग्रेस नेता केतन पटेल नें किया बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार लोकसभा का चुनाव प्रियंका गांधी रायबरेली की बजाय दमन अथवा दीव से लड़ सकती हैं। यह बड़ा दावा दमन और दीव के कांग्रेस अध्यक्ष केतन पटेल ने किया है। उनका कहना है कि संभव है कि प्रियंका गांधी केंद्र शासित प्रदेश से चुनावी मैदान में उतर सकती हैं। केतन ने कहा कि पार्टी हाई कमांड ने उनसे इसको लेकर आंकड़े जुटाने को कहा है। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी दमन और दीव से लोकसभा चुनाव लड़ने के प्रस्ताव का स्वागत करता हूं। केतन पटेल ने कहा कि हाई कमांड ने हमें आंकड़े जुटाने की जिम्मेदारी दी है। यहां प्रियंका जी के आने से पूरे दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र को लाभ मिलेगा। बता दें कि दक्षिण गुजरात पहले से भी हमेशा कांग्रेस के साथ ही रहा है। पटेल ने कहा कि आंकड़े जुटाने से मतलब यहां कि जमीनी हकीकत, वोटरों की पसंद और पिछले प्रदर्शन से संबंधि जानकारी पार्टी नेतृत्व को देना है।

जानकारों ने बताया कि इस बार गांधी परिवार का ही सदस्य पारंपरिक रायबरेली सीट से चुनाव में उतर सकता है। इस बार सोनिया गांधी ने लोकसभा चुनाव ना लड़ने का ऐलान कर दिया था। वहीं भाजपा ने आगामी चुनाव के लिए पहली लिस्ट भी जारी कर दी है। बीजेपी ने 195 प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है जिसमें से एक पवन सिंह ने आसनसोल से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। पीएम मोदी खुद एक बार फिर से अपने चुनावी क्षेत्र वाराणसी से ही मैदान में होंगे। बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मध्य प्रदेश पहुंच गई है। वहीं कांग्रेस अपने घोषणापत्र पर काम कर रही है। जल्द ही कांग्रेस पार्टी भी अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर सकती है। यूपी में सपा और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। दोनों के बीच सीट शेयरिंग की डील भी फाइनल हो गई है। हालांकि कांग्रेस ने कहीं से भी अभी अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है।

मालदीव को विदेश मंत्री जयशंकर ने दिखाया आइना बोले-पड़ोसी की मदद करना भारत का स्वाभाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव को आइना दिखाते हुए साफ कहा कि भारत हमेशा ही पड़ोसी देशों का मददगार रहा है। मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू की एक टिप्पणी पर पलटवार करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत इस उपमहाद्वीप में धौंस जताने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा, आप अगर भारत को बड़ा बदमाश बताते हैं तो एक बात ध्यान रखिए कि बदमाश 4.5 अरब डॉलर की मदद नहीं किया करते हैं। कोविड के समय दूसरे देशों को वैक्सीन नहीं भेजते हैं। युद्धग्रस्त इलाकों में अनाज से लेकर उर्वरक और दवाइयां तक नहीं भिजवाते हैं। आज भारत की सराहना पूरी दुनिया करती है। संकट के समय में भारत ने हर देश की मदद की है। बता दें कि मुइज्जू ने ऐलान किया था कि भारतीय सेना की पहली टुकड़ी 10 मार्च तक भारत वापस भेज दी जाएगी।

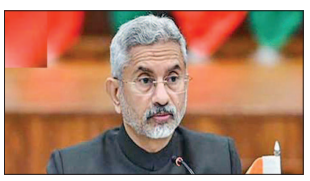

इसके बाद बाकी की दो टुकड़िओं को 10 मई तक वापस किया जाएगा। मालदीव के राष्ट्रपति चीन के घोर समर्थक हैं और ऐसे में वह अपने हितों को नजरअंदाज करके भारत का विरोध करने पर तुले हैं। मुइज्जू का कहना है कि उनके देश में कोई भी विदेशी सेना मौजूद नहीं रहनी चाहिए। मालदीव और भारत के बीच तनाव तब और बढ़ गया जब मुइज्जू के मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। हालांकि घरेलू दबाव के चलते ही मंत्रियों को कैबिनेट से बाहर का रास्ता दिखाना पड़ गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लक्षद्वीप के पर्यटन को विस्तार देने के लिए तस्वीरें शेयर की थीं। इसके बाद मुइज्जू के मंत्रियों ने इसपर आपत्तिजनकर टिप्पणी की थी। इसका विरोध मुइज्जू सरकार को अपने घर में भी करना पड़ा। जयशंकर ने कहा कि नेपाल, श्रीलंका, भूटान, बांग्लादेश और मालदीव में बीते कुछ सालों में ही भारत का निवेश तेजी से बढ़ा है। आज जिस तरह का व्यापार पड़ोसी देशों के साथ हो रहा है, वह भी एक बयां करने वाली कहानी है। मैं इस लिस्ट से मालदीव को अलग नहीं कर रहा हूं। मालदीव के साथ भी अच्छे व्यापारिक संबंध हैं। इस मामले में मैं भूटान का नाम नहीं भूल सकता क्योंकि दोनों देशों के बीच बेहद गहरे और मजबूत संबंध हैं। हम एक दूसरे का सम्मान भी बहुत करते हैं।

भाजपा के हर्षवर्धन की हो रही जमकर तारीफ, आप ने बताया ईमानदार नेता

नई दिल्ली। राजनीति से सन्यास लेने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेता हर्षवर्धन सिंह की जमकर तारीफ हो रही है। आप पार्टी उन्हें बेहद ईमानदार नेता बता रही है। गौरतलब है कि भाजपा ने दिल्ली की पांच लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। भाजपा ने पांच में से चार सीटों पर उम्मीदवार बदल दिया है। मनोज तिवारी एकमात्र मौजूदा सांसद हैं जिन्हें भाजपा ने तीसरी बार मौका दिया है। भाजपा ने चांदनी चौक से सांसद और दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता हर्षवर्धन का भी टिकट काट दिया है। टिकट कटने के बाद जहां हर्षवर्धन ने सक्रिय राजनीति से संन्यास का ऐलान कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी (आप) ने उनकी जमकर तारीफ की है। आप ने उन्हें ईमानदार, मेहनती और जनता के मुद्दे उठाने वाला नेता बताते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। आप नेता और अरविंद केजरीवाल सरकार की मंत्री आतिशी ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हर्षवर्धन की तारीफ की। बता दें ?कि हर्षवर्धन कभी दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के सामने सीएम फेस का चेहरा थे। 2013 के चुनाव में जब भाजपा ने उन्हें सीएम फेस घोषित किया था और तब आम आदमी पार्टी पहली बार दिल्ली का विधानसभा चुनाव लड़ रही थी।

कर्नाटक में लोकसभा चुनाव में कड़ा मुकाबला होने की ओर, भाजपा का क्या हो सकता है स्थान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर कोई 2019 के लोकसभा चुनाव कार्यक्रम पर ध्यान दे, तो हम मतदान के पहले दिन से 40 दिन से थोड़ा अधिक दूर हैं। कर्नाटक में राजनीतिक मौसम वास्तव में गर्म हो रहा है क्योंकि भाजपा (अपने सहयोगी जेडीएस के साथ) और कांग्रेस चुनाव से पहले जनता का समर्थन हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। कर्नाटक से लोकसभा चुनाव के पांच आयामों पर हमारा ध्यान जाना चाहिए।

कर्नाटक से लोकसभा के नतीजों की विशिष्टता- सबसे पहले, कर्नाटक के मतदाताओं का राज्य विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों को देखने का नजरिया हमेशा अलग-अलग रहा है। यह पहली बार 1984-85 में साबित हुआ, जब राज्य में रामकृष्ण हेगड़े के नेतृत्व में सत्तारूढ़ जनता पार्टी ने लोकसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन किया, लेकिन कुछ महीने बाद विधानसभा चुनावों में उसे स्पष्ट बहुमत मिला। पिछले चार मौकों (वर्तमान - 2008/9; 2013/14; 2018/19 और 2023/24 सहित) में एक साथ कई लोकसभा और विधानसभा चुनावों (1989, 1999, 2004) के बाद, कर्नाटक में लोकसभा चुनाव हुए हैं। विधानसभा चुनाव का एक साल, परिणाम बिल्कुल अलग रहे हैं। 2008 में, भाजपा बहुमत के करीब पहुंच गई (तीन सीटों से कम) और निर्दलियों के समर्थन से सरकार बनाई। अगले वर्ष के लोकसभा चुनावों में, उसने राज्य से दो तिहाई लोकसभा सीटें जीतीं। 2013 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आई और सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री का पद संभाला। येदियुरप्पा द्वारा विभाजित कर्नाटक जनता पक्ष (केजेपी) का नेतृत्व करने से भाजपा में विभाजन हो गया था। अगले ही साल 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को राज्य से ज्यादातर सीटें मिलीं। 2014 के लोकनीति-सीएसडीएस पोस्ट पोल से पता चला कि राज्य में सिद्धारमैया सरकार लोकप्रिय थी, लेकिन यह देखते हुए कि यह लोकसभा चुनाव था, मोदी फैक्टर निर्णायक कारक था। इसके अलावा, येदियुरप्पा लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में लौट आए। 2018 के विधानसभा चुनावों में, किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला और जेडीएस और कांग्रेस ने मिलकर गठबंधन सरकार बनाई। 2019 के लोकसभा चुनावों में, कांग्रेस और जेडीएस ने गठबंधन सहयोगियों के रूप में चुनाव लड़ा और एक-एक सीट पर हार गए।

आईडीएफ ने की हिजबुल्लाह के ठिकानों पर भारी गोलाबारी

तेल अवीव । आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के ठिकानों पर भारी गोलाबारी की है। जारी मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दक्षिण लेबनान और वेस्ट बैंक में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर यह कार्रवाई की है। ताजा जानकारी के अनुसार आईडीएफ के लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी लेबनान के अयता अस शब और कफ़र किला इलाकों के साथ-साथ वेस्ट बैंक में हिजबुल्लाह बुनियादी ढांचे पर गोलाबारी की है। इजराइली हमला हिजबुल्लाह द्वारा कथित तौर पर रविवार को मेटुला, मलकिया और गजर में रॉकेट हमलों के बाद आया है। इजरायली खुफिया विभाग ने कहा है कि उसे आने वाले दिनों में वेस्ट बैंक में तनाव बढ़ने की काफी आशंका है। उसने वेस्ट बैंक के सीमावर्ती इलाकों में सैनिकों की तैनाती भी बढ़ा दी है। वहीं हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरुल्लाह ने भी हाल ही में टेलीविजन पर अपने संबोधन में गाजा की स्थिति और फिलिस्तीनियों की दुर्दशा पर इजराइल की जम कर आलोचना की थी। इधर इजराइल ने हिजबुल्लाह को भी चेतावनी दी है और सार्वजनिक रूप से कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो इजराइल युद्ध के लिए भी तैयार है।

हैती सरकार ने आपातकाल और रात्रिकालीन कर्फ्यू लगाने की घोषणा

पौर्टऔ प्रिंस । हैती सरकार ने सप्ताहांत में हुई हिंसा के बाद सड़कों पर नियंत्रण फिर से हासिल करने के मकसद से देर रात आपातकाल और रात्रिकालीन कर्फ्यू लगाने की घोषणा की। हिंसा के दौरान सशस्त्र गिरोह के सदस्यों ने देश की दो सबसे बड़ी जेलों पर धावा बोल दिया था। देश में 72 घंटे का आपातकाल तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। सरकार ने कहा कि यह उन हत्यारों, अपहरणकर्ताओं और अन्य हिंसक अपराधियों को खोज निकालने के लिए लागू किया जाएगा जो जेल से फरार हो गए हैं। कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रुप में काम कर रहे वित्त मंत्री पैट्रिक बायोवर्ट ने कहा, पुलिस को कर्फ्यू लागू करने और सभी अपराधियों को पकड़ने के लिए सभी कानूनी साधनों का इस्तेमाल करने का आदेश है।'' प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने बढ़ते शक्तिशाली अपराध समूहों के साथ संघर्ष में स्थिरता लाने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित सुरक्षा बल की तैनाती के वास्ते समर्थन जुटाने की कोशिश में पिछले सप्ताह विदेश यात्रा की थी। हैती में गिरोहों द्वारा पोर्ट ऑ प्रिंस में सरकारी संस्थानों पर हमले बढ़ने के बीच गत सप्ताहांत हुई हिंसा में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई है, जिसमें चार पुलिस अधिकारी हैं।

'स्पेसएक्स' के फाल्कन रॉकेट से चार अंतरिक्ष यात्री रवाना

वाशिंगटन । चार अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना हुए जहां वे छह महीने के अपने प्रवास के दौरान दो नए रॉकेटशिप (रॉकेट द्वारा संचालित अंतरिक्ष यान) के आगमन की निगरानी करने वाले हैं। अमेरिका की निजी अंतरिक्ष परिवहन सेवा कंपनी 'स्पेसएक्स' के फाल्कन रॉकेट ने नासा के मैथ्यू डोमिनिक, माइकल बराट और जेनेट एप्स तथा रूस के एलेक्जेंडर ग्रेबेनकिन को लेकर केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी। अंतरिक्ष यात्री मंगलवार को आईएसएस पहुंचने वाले हैं। वे अमेरिका, डेनमार्क, जापान और रूस के अंतरिक्ष यात्रियों का स्थान लेने वाले हैं, जो कि अगस्त से वहां मौजूद हैं। तेज हवा के कारण इन अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाने में तीन दिन की देरी हुई। जेनेट एप्स दूसरी अश्वेत महिला हैं जिन्हें अंतरिक्ष स्टेशन पर इतने लंबे मिशन के लिए भेजा गया है। उन्होंने उड़ान भरने से पहले कहा कि वह खासतौर से अश्वेत लड़कियों के लिए आदर्श बनकर गर्व महसूस कर रही हैं और उन्हें यह दिखा रही है कि अंतरिक्ष यात्रा ''उनके लिए भी एक विकल्प है।'' पेशे से इंजीनियर एप्स ने 2009 में अंतरिक्ष यात्री बनने से पहले फोर्ड मोटर कंपनी और सीआई के लिए काम किया है। एप्स को 2018 में रूस के एक रॉकेट से अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा जाना था लेकिन उनके स्थान पर किसी और को भेज दिया गया था और इसकी वजह का कभी सार्वजनिक रूप से खुलासा नहीं किया गया।

ब्राजील में बस पलटने से दो की मौत

साओ पाउलो । ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य के पेलोटास शहर में एक बस के पलटने से दो लोगों की मौत हुई और 40 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि दोनों पीड़ित महिलाएं थीं। इसमें एक की उम्र 42 साल और दूसरी की 70 साल थी। उन्होंने बताया कि संघीय राजमार्ग बीआर-116 पर बस चालक ने बाइक से आमने-सामने की टक्कर से बचने की कोशिश की तब बस पलट गई। बस पर्यटकों को सांता विटोरिया डो पालमार से कैक्सियास डो सुल ले जा रही थी, जहां पारंपरिक राष्ट्रीय अंगूर महोत्सव मनाया जाता है।

दुनिया का सबसे अमीर कुत्ता, 30 अरब की संपत्ति और सेवा में तैयार रहती है नौकरों फौज

लॉस एंजेलस । अमीर सिर्फ इंसान ही नहीं होते, कुत्ते भी होते हैं। एक ऐसा कुत्ता है जो 30 अरब की संपत्ति का मालिक है करोड़ों की गाड़ी में घूमता है। उसकी सेवा में नौकरों की फौज 24 घंटे सातों दिन तैनात रहती है। इस डॉग के नाम गंथर 6 है, जो एक जर्मन शेफर्ड है। इस कुत्ते के नाम करीब 30 अरब की संपत्ति है। यह असाधारण कुत्ता बीएमडब्ल्यू की सवारी करता है। इस कुत्ते के नाम कई बंगले तो हैं ही, इसके आवाला एक फुटबॉल क्लब भी है। गंथर के पीआर लकी कार्ल्सन के मुताबिक, लेबिनस्टेन की मौत के समय उनका कोई नजदीकी रिश्तेदार नहीं था, ऐसे में लेबिनस्टेन ने सारी जायदाद अपने प्रिय कुत्ते के नाम कर दी थी। इसके बाद गंथर के नाम पर ट्रस्ट बनाया गया, जो ये सुनिश्चित करता है की पूरी संपत्ति गंथर और उसके परिवार के पास रहे। हाल ही में गंथर पर एक फिल्म भी बनाई जा रही है, जो काफी चर्चा का विषय भी बना रहा है। गंथर 6 मशहूर पॉप सिंगर रह चुकीं मेडोना के पुराने घर में रहता है, जिसके पास एक बड़ा सा यॉट भी है। यहां बाहमास के विला से नौकर भी आते हैं। यह कुत्ता कैरिबियन द्वीपों में स्थित अपने 6 अरब 81 करोड़ के घर में रहता है। इतना ही नहीं गंथर की टीम ने यह भी खुलासा किया कि आलीशान डिनर के अलावा वे कई बार यॉट ट्रिप्स पर दुनिया की सैर करने के लिए भी जाता हैं एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस कुत्ते का पैसा इटली का एक 66 वर्षीय आंत्रप्रेन्योर मौरिजियो मियान नियंत्रित करता है। दरअसल मियान गंथर कॉर्पोरेशन के सीईओ है, जो इस कुत्ते के असली मालिक द्वारा छोड़ी गई 29 अरब दो करोड़ रुपये की संपत्ति की देख रेख कर रही है। जर्मन काउंटेस कैरलोटा लेबिनस्टेन ने अपनी सारी संपत्ती इस कुत्ते के नाम कर दी थी।

लॉटरी टिकट से मिले दस करोड़

लंदन। यहां एक व्यक्ति लॉटरी टिकट लेकर भूल गया पर बाद में इसी कारण करोड़पति बना गया। ब्रिटेन के रहने वाले विलियम मुलार्की ने कुछ समय पहले नेशनल लॉटरी से टिकट खरीदा।. वे भूल गए। और कुछ दिनों बाद पत्नी कैथरीनेट के साथ छुट्टियां मनाने के लिए सेंट लूसिया पहुंच गए। तभी उन्हें ईमेल आया, जिसमें बताया गया था कि उन्होंने यूरो मिलियंस मिलियनेयर मेकर जैकपॉट जीता है। इसके तहत उन्हें 1 मिलियन पाउंड यानी तकरीबन 10 करोड़ रुपये मिलेंगे। आम लोगों की तरह बिल को भी यह फ्रॉड लगा. उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक महीने बाद जब वे छुट्टियों से लौटे, तभी उनकी पोती ने ईमेल को क्लिक कर दिया। फिर जो नजर आया, देखकर वे चिल्ला उठे। पोती की वजह से वे करोड़पति बन चुके थे। अगर ईमेल डिलीट हो जाता, तो वे मेगा जैकपॉट के लिए आवेदन नहीं कर पाते और 10 करोड़ रुपये नहीं मिलते।. इसके बाद पूरे परिवार ने जोर-जोर से चिल्लाना और नाचना शुरू कर दिया। बिल ने कहा, जब हमने ईमेल पर 'बधाई हो, आप विजेता हैं' संदेश देखा तो हमारी खुशियों का ठिकाना नहीं रहा। स्क्रीन पर जो कुछ भी नजर आ रहा था, हम यकीन नहीं कर पा रहे थे। हम एक तरह से सदमे में थे। बिल ने कहा, हमने खूब जश्न मनाया. मुझे पूरी रात नींद नहीं आई। हमारे ऊपर ढेर सारा कर्ज था. अब हम चुकाने के लिए तैयार थे. हमने तुरंत सेंट लूसिया में दूसरा घर खरीदने की योजना बना ली. क्योंकि इस पैसे पूरे परिवार का जीवन बदलने वाला था।

फ्रांस में फ्रेंच फार राइट एक रैली में संसदीय नेता जोर्डन बारडेला और मैरियाना ली पेन भी शामिल हुए।

ब्रिटेन में नहीं घुस सकेंगे पाकिस्तान के चरमपंथी धर्मगुरु

- ऋषि सुनक ने तैयार किया प्लान, पहले ही दी थी चेतावनी

लंदन । ब्रिटेन की सरकार द्वारा बनाई जा रही नई योजनाओं के तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और इंडोनेशिया जैसे देशों के चरमपंथी इस्लामी विचारों वाले प्रचारकों को ब्रिटेन में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। एक खबर में यह जानकारी दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटिश सरकार

चरमपंथी गतिविधियों में चौंकाने वाली वृद्धि से चिंतित है और अधिकारियों को विदेशों के सबसे खतरनाक चरमपंथी प्रचारकों की पहचान करने की जिम्मेदारी दी जा रही है ताकि उन्हें वीजा चेतावनी सूची में जोड़ा जा सके। इसके मुताबिक, नई योजनाओं के तहत सूची में शामिल लोगों को अपने आप ही ब्रिटेन में प्रवेश से रोक दिया जाएगा। यह जानकारी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक द्वारा लंदन में पिछले दिनों एक भाषण देने के कुछ दिनों बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि देश के लोकतांत्रिक और बहु-आस्था मूल्यों को चरमपंथियों से खतरा है। प्रधानमंत्री सुनक ने हाल ही में अपने भाषण में कहा था कि हम इस देश में उन लोगों को प्रवेश करने से रोकने के लिए भी कार्रवाई करेंगे, जिनका उद्देश्य इसके मूल्यों को कमजोर करना है।

बाइडेन और ट्रंप के बीच 'ब्लंडर' करने की मची होड़! अब ओबामा को बताया वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान तेज होता जा रहा है। 5 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए इस बार भी जंग जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच होनी तय मानी जा रही है। दोनों ही तरफ से एक-दूसरे पर जुबानी हमले भी लगातार जारी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की तरफ से सार्वजनिक मंच पर कई बार ऐसी गलती हो जाती है जिसकी वजह से सोशल मीडिया में उनका मजाक बनाया जाता है और उनकी बढ़ती उम्र को इसकी वजह भी बताया जाता है। लेकिन ट्रंप की तरफ से भी इस तरह की चूक हो रही है। एक रैली में ट्रंप ने जो बाइडेन की जगह बराक ओबामा को अमेरिकी राष्ट्रपति बता दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने वर्जीनिया में एक रैली में बराक ओबामा को जो बाइडेन समझ लिया, जिससे संभावित रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की उम्र के बारे में और सवाल उठने लगे। क्रमशः 77 और 81 साल की उम्र के साथ ट्रम्प और बाइडेन अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति पद के लिए दौड़ने वाले सबसे उम्रदराज उम्मीदवार हैं।

ट्रम्प ने रिचमंड में कहा कि पुतिन के मन में ओबामा के लिए इतना कम सम्मान है कि वह परमाणु शब्द को उछालना शुरू कर रहे हैं। आपने वो सुना वो आज परमाणु हथियारों पर बात करना शुरू कर रहे हैं। कथित तौर पर भीड़ चुप हो गई क्योंकि ट्रम्प ने ओबामा का जिक्र किया जो सात साल से अधिक समय पहले ही व्हाइट हाउस छोड़ चुके हैं। पिछले छह महीनों में यह तीसरी बार है जब ट्रम्प से चूक हुई है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति की अन्य गलतियों में उनकी रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली को पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी के साथ भ्रमित करना शामिल है। 52 वर्षीय हेली, जिन्होंने रिपब्लिकन नामांकन की दौड़ में बने रहने के लिए ट्रम्प और कई प्राथमिक हार को चुनौती दी है, ने खुद को युवा, स्वस्थ विकल्प के रूप में पेश करने की कोशिश की है - अपने अभियान विज्ञापनों में ट्रम्प और बिडेन को ग्रम्पी ओल्ड मेन के रूप में संदर्भित किया है। ट्रम्प की गलती उस दिन सामने आई जब बिडेन ने दो बार यूक्रेन और गाजा को भ्रमित किया जब उन्होंने घोषणा की कि अमेरिका गाजा में फिलिस्तीनियों को मानवीय आपूर्ति प्रदान करेगा जो इजरायली बमबारी और नाकेबंदी के कारण भूख से मर रहे हैं।

प्राइमरी चुनाव में निक्की हेली ने डोनाल्ड ट्रंप को हराया

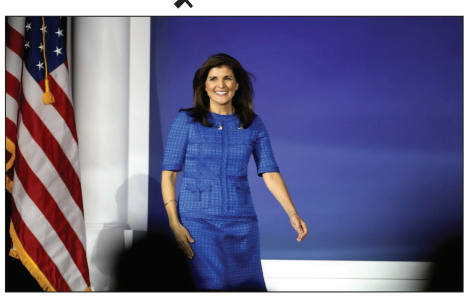

-हेली के खिलाफ ट्रंप को मिले सिर्फ 676 वोट, ट्रंप की हुई पहली हार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति पद के लिए हो रहे प्राइमरी चुनाव में निक्की हेली ने डोनाल्ड ट्रंप को हरा दिया है। हेली के खिलाफ ट्रंप को सिर्फ 676 वोट मिले हैं। मिली जानकारी के अनुसार साउथ कैरोलाइना की गवर्नर निक्की हेली ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हराया दिया है। निक्की और ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। इसके लिए वाशिंगटन डीसी में वोटिंग हुई। अमेरिकी न्यूज पोर्टल के मुताबिक, हेली को कुल 1274 वोट मिले जबकि ट्रंप को 676 वोट मिले हैं। इस साल शुरू हुए इस कैंपेन में यह ट्रंप की पहली हार है। यह वोटिंग वाशिंगटन डीसी के एक होटल में वीकेंड पर हुई थी। रिपब्लिक पार्टी के आधिकारिक बयान के मुताबिक, निक्की हेली ने 63 प्रतिशत वोट हासिल किए। निक्की ने वाशिंगटन डीसी से जीत हासिल की है। जबकि इससे पहले ट्रंप ने उन्हें मिसौरी और इडाहो में हराया था।

उन्होंने मिशिगन में रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में सभी का समर्थन प्राप्त किया था। हालांकि ट्रंप जीओपी नॉमिनेशन की तरफ बढ़ रहे हैं और इस हफ्ते होने वाले 16 सुपर ट्यूजडे में जीत हासिल करने की संभावना जता रहे हैं। हेली को रविवार को मिली जीत ने ट्रंप के विजयी रथ को अस्थायी रूप से रोक दिया है। लेकिन इस सप्ताह होने वाले 'सुपर ट्यूजडे' में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी संख्या में डेलिगेट (मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्टी सदस्य) का समर्थन मिलने की संभावना अधिक बन रही है।

थाई श्रद्धालुओं को भगवान बुद्ध के अवशेषों के प्रति सम्मान व्यक्त करते देख मैं प्रभावित हुआ : जयशंकर

बैंकॉक। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि यह बेहद हृदयस्पर्शी है कि 10 लाख थाई श्रद्धालुओं ने भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के प्रति अपना सम्मान जाहिर किया है। इन पवित्र अवशेषों को एक प्रदर्शनी के तहत बैंकॉक में 22 फरवरी से तीन मार्च तक प्रदर्शित किया गया। जयशंकर ने पोस्ट में उस विशेष मंडप की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें 26-दिवसीय प्रदर्शनी के पहले चरण के तहत बैंकॉक में पवित्र अवशेष प्रदर्शित किए हैं। दुनियाभर के बौद्ध अनुयायियों द्वारा पवित्र इन अवशेषों को राजकीय अतिथि के दर्जे के अनुरूप भारतीय वायुसेना के एक विशेष विमान से ले जाया गया। विदेश मंत्री जयशंकर ने पोस्ट किया, ''थाइलैंड के लाखों श्रद्धालुओं को भारत से आए पवित्र अवशेषों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए देखकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। हमारी साझा विरासत और संस्कृति एक ऐसा सेतु है जो एक विशेष संबंध स्थापित करता है। इस संबंध में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और अन्य को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने कहा था कि यह पहली बार है कि जब भगवान बुद्ध और उनके शिष्यों के पवित्र अवशेषों को एक साथ प्रदर्शित किया गया है।

नेपाली कांग्रेस से अलग होने के बाद प्रधानमंत्री प्रचंड ने ओली की पार्टी के साथ गठबंधन का फैसला किया

काठमांडू (एजेंसी)। 04 मार्च (वेब वार्ता)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' ने मतभेदों के कारण नेपाली कांग्रेस के साथ अपनी लगभग 15 महीने की साझेदारी को समाप्त करने के बाद सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की पार्टी के साथ एक नया गठबंधन बनाने का फैसला किया। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के एक नेता ने कहा कि प्रचंड के नेतृत्व वाली सीपीएन (माओवादी केंद्र) और शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस के बीच गठबंधन समाप्त हो गया है क्योंकि दोनों शीर्ष नेताओं के बीच मतभेद काफी गहरे हो गए हैं। सीपीएन (माओवादी केंद्र) के सचिव गणेश शाह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'नेपाली कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के साथ सहयोग नहीं किया, इसलिए हम नए गठबंधन की तलाश करने के लिए मजबूर हैं।' प्रचंड 25 दिसंबर, 2022 को नेपाली कांग्रेस के समर्थन से प्रधानमंत्री बने थे। प्रतिनिधि सभा में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन तोड़ने के बाद प्रचंड ने ओली के नेतृत्व वाली नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) से हाथ मिलाने का फैसला किया। हालांकि, ओली को प्रचंड का आलोचक माना जाता है।

पिछले साल, राष्ट्रपति चुनाव के लिए मुख्य विपक्षी दल के उम्मीदवार को समर्थन देने पर मतभेद के बाद सीपीएन-यूएमएल ने प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। सीपीएन-यूएमएल के उपाध्यक्ष सुरेंद्र पांडे ने कहा कि नई कैबिनेट का गठन सोमवार दोपहर को किया जाएगा और कैबिनेट का आकार छोटा होगा। कुछ परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन के मुद्दे पर नेपाली कांग्रेस नेता एवं वित्त मंत्री प्रकाश शरण महत और प्रचंड के बीच मतभेद बढ़ने के बाद दोनों दलों के बीच दरार बढ़ गई। सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष ओली ने सोमवार को प्रधानमंत्री के आवास पर प्रचंड से मुलाकात की और एक नया गठबंधन बनाने से संबंधित मामलों पर चर्चा की।

पाकिस्तान संभलता नहीं और कश्मीर चाहिए, पीएम बनते ही नेशनल असेंबली में शहबाज शरीफ ने भारत के खिलाफ उगला जहर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा शपथ लेने के बाद अपने पहले भाषण में कश्मीर का उल्लेख करने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के निर्वासित अधिकार कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने शरीफ की आलोचना करते हुए कहा कि वो वास्तव में गलत कर रहे हैं। कश्मीर के बारे में दावे को लेकर राजनीतिक कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने कहा कि नवनिर्वाचित प्रधान मंत्री इस क्षेत्र के बारे में झूठ फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मानवीय संकट को स्वीकार करने और स्वीकार करने की हिम्मत नहीं है। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में लोग बड़े पैमाने पर भूख से मर रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों को वेतन का भुगतान नहीं किया गया है।' पेंशनभोगी लगभग एक साल से अपनी पेंशन का इंतजार कर रहे हैं। कई विभागों और अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को उनका वेतन नहीं दिया गया है। अस्पतालों में दवा नहीं है। सांप या कुत्ते के काटने की कोई खबर नहीं है। समाचार एजेंसी एएनआई ने मिर्जा के हवाले से बताया कि अस्पतालों में काटने के टीके उपलब्ध हैं।

पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के चुनावी धांधली के दावों के बीच पाकिस्तान में सत्ता हासिल करने वाले शरीफ के दावों की धज्जियां उड़ाते हुए पीओके में मानवीय स्थितियों के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कोई ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र नहीं है, यहां तक कि स्थानीय ग्रामीणों की जरूरतों को पूरा करने के लिए वहां एक डिस्पेंसर भी हो। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के निर्वासित कार्यकर्ता ने कहा कि पीओके में शिक्षा प्रणाली 'पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि ऐसा एक भी देश नहीं है जो पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर के छात्रों द्वारा प्राप्त की गई डिग्री को वैध मानता हो।

प्रधानमंत्री के तौर पर अपने पहले भाषण में शहबाज शरीफ ने कश्मीर का किया जिक्र

पाकिस्तान के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शपथ लेने के बाद अपने पहले भाषण में कश्मीर मुद्दे का जिक्र किया और उसी भाषण में देश में गंभीर आर्थिक संकट के बारे में भी बात की। उन्होंने अपने देश की संसद से कश्मीरियों और फिलिस्तीनियों की आजादी पर एक प्रस्ताव पारित करने की अपील की। उन्होंने पाकिस्तान की संसद नेशनल असेंबली में प्रस्ताव पारित करने की बात कही। शरीफ ने कहा कि उन्होंने कहा कि आइए सब एक साथ आएं और नेशनल असेंबली को कश्मीरियों और फिलिस्तीनियों की आजादी के लिए एक प्रस्ताव पारित करना चाहिए। उसी भाषण में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता शहबाज शरीफ ने अफसोस जताया कि देश खतरनाक कर्ज संकट का सामना कर रहा है।

मुस्लिम देश में बने हिंदू मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, दर्शन के लिए एक दिन में पहुंचे 65 हजार लोग

अबु धाबी (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात के अबु धाबी में निर्मित बीएपीएस हिंदू मंदिर में दर्शन करने वालों का तांता लगा हुआ है। यहां एक दिन में 65 हजार लोग दर्शन को पहुंचे हैं। बता दें कि अबु धाबी में यह धार्मिक स्थल रविवार से आम जनता के लिए खुल गया है। आंकड़े बता रहे हैं कि पहले ही दिन मंदिर में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 60 हजार के आंकड़े को पार कर गया है। गौरतलब है कि फरवरी में ही पीएम नरेंद्र मोदी ने इस मंदिर का उद्घाटन किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बस और कार के जरिए सुबह 40 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे। जबकि शाम के वक्त यह आंकड़ा 25 हजार के ऊपर पहुंच गया। खास बात है कि इतनी भीड़ होने के बाद भी 2-2 हजार के श्रद्धालुओं का बैच तैयार किया गया और सभी बगैर धक्का मुक्की के दर्शन के लिए कतार में इंतजार करते नजर आए। साधु ब्रह्मबिहारीदास का कहना है, इस दिन को हकीकत में बदलने के लिए पूर्ण समर्थन देने और नई बस सेवाओं के लिए हम यूएई के नेताओं और स्थानीय अधिकारियों के आभारी हैं। मैं उन श्रद्धालुओं का भी धन्यवाद करना चाहता हूं, जो बेहद शांति से रहे। यह मंदिर आध्यात्मिकता, सद्भावना के प्रतीक के रूप में काम करेगा जो सभी लोगों को साथ लाएगा।

इसी तरह अबु धाबी के सुमंत राय बताते हैं कि हजारों लोगों के बीच मैंने कभी ऐसी गजब की व्यवस्था नहीं देखी। मुझे इस बात की चिंता थी कि मुझे घंटों इंतजार करना पड़ेगा और शांति से दर्शन नहीं हो सकेंगे, लेकिन हमें अच्छे से दर्शन हुए और पूरी तरह से संतुष्ट हैं। बीएपीएस के वॉलिंटियर्स और मंदिर स्टाफ का धन्यवाद। बता दें कि यूएई का यह पहला हिंदू मंदिर है। साल 2015 में प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान अबु धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयन ने मंदिर निर्माण के लिए 13.5 एकड़ जमीन दान कर दी थी। बाद में साल 2019 में यूएई सरकार ने मंदिर के लिए 13.5 एकड़ जमीन और दे दी, जिसके चलते मंदिर के लिए प्राप्त जमीन 27 एकड़ तक पहुंच गई। साल 2017 में पीएम मोदी ने मंदिर की आधारशिला रखी थी। अब यह दर्शनों के लिए खोल दिया गया है।

संपादकीय

अनजान भय

मैंने अपने जीवन में अनुभव किया है कि मानव एक अनजान भय से ग्रसित होता है उसके कारण में मैं जाऊँ तो बहुत कुछ देखने को मिलता है लेकिन उसमे एक महत्वपूर्ण कारण है मानव के स्वयं के किए हुए कर्म वो जानता है मैंने गलत किया है इसलिये वो हर समय एक अनजान भय में रहता है । भौतिकवाद,अर्थ, पद, प्रतिष्ठा एवं सांसारिक आदि के चक्कर में हम हमेशा उलझें ही रहतें है और धर्म - ध्यान, तपस्या आदि की बात आये तों हम कल के भरोसे छोड़ देतें है ।अत: हम समय में सें सही समय निकालकर आध्यात्मिक की और अग्रसर होकर, नित्य त्याग, तपस्या,स्वाध्याय साधना आदि करतें हुवें इस दुर्लभतम मनुष्य जीवन का पूरा सार निकालते हुवें अपने परम् धाम की और अग्रसर हों। आखरि मंजलि कैसे मिलेगी चाहे उसके लिए वह कितने भी प्रयत्न करे । जब मन में आयी इसकी समझ तब तड़पन पैदा हुई । मंजलि पाने बोल उठा स्वयं इंसान अपनी मंजलि स्वयं तय करेंगे। न किसी का हो शोषण और न किसी की हो हिंसा । न किसी का हो भय और न किसी के आगे झुकना ।पूर्ण एकाग्रता के साथ मंजलि की ओर बढ़ेंगे चरण ।आखरि मंजलि पर पहुंचकर बढ़ाएंगे मानव जाति का मान सम्मान । आचार्य तुलसी द्वारा रचित विजयगीत - मंजलि पाने के लिए दिल में बजने लगे इसका निरंतर संगीत । आखरि मंजलि मिल जायेंगी यह स्वप्न निश्चित रूप से होगा फलित । जिन्दगी बहुत कीमती है क्योंकि यह दुर्लभ हैं । हमारी जरा सी समझ से इसका स्थायी हल सुलभ हो सकता है ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

जागरूक मतदाता के हाथ हो राजनीति की नकेल

विश्वनाथ सचदेव

देश के मतदाताओं के मन की बात जानने का दावा करने वालों अथवा अनुमान लगाने वालों का, मानना है कि आज की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आम चुनाव में भाजपा को आसानी से बढ़त मिलने की संभावना है। इस 'आसानी से' का सही आकलन तो चुनाव के परिणाम ही बताएंगे, लेकिन यह तय है कि भारतीय जनता पार्टी जिस शिद्दत के साथ चुनाव की तैयारी में लगी है उसमें किसी भी प्रकार की गफलत के लिए कोई जगह नहीं है। जीत की सारी संभावनाओं के बावजूद प्रधानमंत्री समेत भाजपा का समूचा नेतृत्व जीत के लिए हर जरूरी कोशिश में लगा हुआ है। साम-दाम-दंड-भेद में से कुछ भी छोड़ने के मूड में नहीं है भाजपा नेतृत्व।

दूसरी ओर, चुनाव को लेकर विपक्ष की कोशिशें अभी तो आधी-अधूरी ही दिख रही हैं। 'इंडिया 'गठबंधन के शुरुआती दौर में यह अवश्य लगा था कि विपक्ष की कोशिशों में कुछ दम है, पर बात बनी नहीं, कोशिश कमज़ोर पड़ने लगी। सीटों का बंटवारा आसान नहीं था, यह तो सब जानते थे, पर कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों के स्वार्थ भाजपा से लड़ने के लिए ज़रूरी मज़बूत इरादों की तुलना में इतने कमजोर बन जाएंगे, यह नहीं लग रहा था। पर ऐसा हुआ। राजनीतिक दलों द्वारा अपने-अपने राजनीतिक हितों की रक्षा करना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, पर देश की वर्तमान राजनीतिक स्थितियों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि विपक्ष चुनौती को स्वीकार करने में विफल सिद्ध हो रहा है। आगामी दो महीनों में देश की राजनीति क्या करवट लेती है, यह तो अभी भविष्य के गर्भ में है, लेकिन फिलहाल जो स्थिति बनी है उसमें भाजपा के लिए चुनावी लड़ाई आसान होती दिखाई देने वाली है। यह कतई जरूरी नहीं है कि भाजपा के दावे सिद्ध हों ही, पर आज की तारीख में भाजपा 'अबकी बार चार सौ पार' का नारा दे रही है। पूरा समय चुनावी मुद्रा में रहने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास लगातार तेज होते जा रहे हैं। उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता दिखाई दे रहा है। चुनाव परिणाम भाजपा के विश्वास की कसौटी पर कितने खरे उतरते हैं, अपनी ताकत पर लोकसभा की तीन सौ सीट भाजपा को मिलती है या नहीं, यह आने वाला कल ही बतायेगा। लेकिन इस संदर्भ में इस बात पर गौर किया जाना ज़रूरी है कि जनतंत्र की सफलता और सार्थकता एक मजबूत विपक्ष पर ही निर्भर करती है। दुर्भाग्य से, आज विपक्ष कमज़ोर होता दिख रहा है। जनतंत्र की सफलता के लिए सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष में एक संतुलन होना ज़रूरी है। संसद में भारी-भरकम बहुमत वाली सरकार के निरंकुश बनने के खतरे बढ़ जाते हैं और विपक्ष का बहुत कमज़ोर होना भी जनतंत्र की सफलता के लिए खतरा ही होता है। आज़ादी प्राप्त करने के बाद के दो-एक शुरुआती चुनावों में हमारी संसद में विपक्ष काफी कमज़ोर था। तब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी पार्टी कांग्रेस के सांसदों को आगाह किया था कि विपक्ष की भूमिका भी उन्हें ही निभानी होगी। विपक्ष का काम सरकार के कामकाज पर नजर रखने का होता है। सरकार की निरंतर चौकसी ही जनतंत्र की सफलता की गारंटी होती है। यह चौकीदारी प्रभावशाली ढंग से हो सके, इसके लिए ही संसद और विधानसभाओं में सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष में एक संतुलन की अपेक्षा की जाती है। सरकार और विपक्ष दोनों की मज़बूती ही जनतंत्र को मज़बूत बनाती है। दुर्भाग्य से आज जो स्थिति है वह इस संदर्भ में भरोसा दिलाने वाली नहीं है। भाजपा अपनी ताकत पर 375 सीटें जीतने का दावा कर रही है। इसके लिए वह जिस तरह की कोशिशों में लगी है, वह भी स्वस्थ जनतंत्र की दृष्टि से भरोसा नहीं दिलातीं। हर रोज इस आशय के समाचार मिल रहे हैं कि फलां पार्टी का फलां बड़ा नेता भाजपा में शामिल हो गया है। विपक्ष के नेताओं को अपने पाले में लाने के लिए भाजपा को आज इस बात की भी चिंता नहीं है कि उसका दामन थामने वाले की छवि कैसी है। कल तक जिसे वह घोर भ्रष्टाचारी बता रही थी, वही व्यक्ति उसके लिए स्वीकार्य बन रहा है। न भाजपा में शामिल होने वालों को इस बात की शर्म आ रही है कि कल तक वह भाजपा को कोस रहे थे और न ही भाजपा को इस बात की कोई चिंता है कि कल तक वह ऐसे नेताओं को ग़लत साबित करने में एड़ी-चोटी का पसीना बहा रही थी। स्पष्ट है हमारी राजनीति में आज नैतिकता जैसी किसी चीज के लिए कोई जगह नहीं है। मान लिया गया है कि राजनीति में सब कुछ जायज है— और दुर्भाग्य यह भी है कि ऐसा मानने वालों में सत्तारूढ़ भाजपा कहीं अधिक सक्रिय दिखाई दे रही है। सन् 2014 में जब भाजपा सत्ता में आई थी तो उसका सबसे बड़ा नारा कांग्रेस-मुक्त भारत बनाने का था। कांग्रेस को भ्रष्टाचार का पर्याय बताती थी भाजपा। आज भाजपा के लिए विपक्ष भ्रष्टाचारी है। भाजपा नेताओं के बयान स्पष्ट बता रहे हैं कि अब वह विपक्ष विहीन भारत चाहते हैं। भाजपा के लिए ऐसी स्थिति कितनी ही सुखद क्यों न हो, जनतंत्र के लिए एक खतरे की घंटी ही है। जनतंत्र को मज़बूत सरकार भी चाहिए और मज़बूत विपक्ष भी। स्वाभाविक है सत्तारूढ़ पक्ष मज़बूत विपक्ष नहीं चाहेगा, पर ज़रूरी है कि विपक्ष स्वयं को मजबूत बनाये। हमारे देश की स्थिति को देखते हुए आज कांग्रेस को स्वयं को मजबूत बनाने की ईमानदार कोशिश करनी चाहिए। भाजपा के 10 साल के कार्यकाल के दौरान कांग्रेस को यह काम करना चाहिए था। क्योंकि देश का और कोई राजनीतिक दल पूरे भारत में भाजपा की टक्कर में खड़ा होने वाला नहीं है। दुर्भाग्य से कांग्रेस ने यह कार्य नहीं किया। इस संदर्भ में भाजपा की नीति कांग्रेस पर लगातार चोट करने वाली रही और उसके लिए यह सही भी था। पर कांग्रेस अपने लिए ऐसी कोई ठोस नीति नहीं अपना पायी। होना तो यह चाहिए था कि इस दौरान कांग्रेस उन आरोपों से मुक्त होने का प्रयास करती जो उस पर लगाए जा रहे थे, पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। उल्टे, कांग्रेस का बिखराव जारी रहा। जनतंत्र के लिए यह चिंताजनक स्थिति है। अब यह देश के मतदाता पर निर्भर करता है कि जनतंत्र को मज़बूत बनाने के लिए किस तरह एक स्वस्थ और संतुलित जनतंत्र को साकार करता है। राजनीति की नकेल जागरूक मतदाता के हाथ में होनी चाहिए, राजनेताओं के हाथ में नहीं—यही सफल और सार्थक जनतंत्र की कसौटी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

टिकट वितरण में अग्रो-अग्रो भाजपा .....

(लेखक राकेश अचल)

लोकसभा चुनाव 2024 का आधिकारिक कार्यक्रम घोषित होने से पहले भाजपा ने 195 प्रत्याशियों की सूची घोषित कर दी। कांग्रेस हमेशा की तरह इस मामले में फिर पिछड़ गयी। कांग्रेस में निर्णय लेने की अपनी शैली है।अब आप कह सकते हैं अग्रो-अग्रो भाजपा । भाजपा की हमेशा आगे बने रहने की ललक ही है जो कांग्रेस को लगातार सत्ता से दूर रखे हैं।

भाजपा की पहली सूची में मप्र के तमाम दिग्गजों को टिकट दे दिया गया और अनेक का टिकट काट भी दिया गया। ये कतर-ब्योंत कोई नयी बात नहीं है। ये न हो तो नये लोगो को मौका ही न मिले। लेकिन भाजपा ने पहली सूची में मप्र के कुछ ऐसे कार्यकर्ताओं पर भी दांव लगाया है, जो किसी भी दृष्टि से जीतने लायक नहीं है।

मप्र में पिछले आम चुनाव में 29 में से 28 सीटें जीतीं थी, लेकिन पहली सूची से लगता है कि भाजपा इस बार मप्र के भरोसे नहीं है। या फिर भाजपा के पास ऐसा कोई जादू है जिसके बल पर किसी भी प्रत्याशी को जिताया जा सकता है। ग्वालियर - चंबल संभाग से ही शुरू करें तो मुरैना सीट से पूर्व विधायक शिवमंगल सिंह तोमर को प्रत्याशी बनाया गया है।

मुरैना से अब तक मप्र विधानसभा के नये अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सांसद थे। पार्टी ने तोमर को संसद से विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल कर लिया। शिवमंगल इन्हीं नरेन्द्र सिंह तोमर के समर्थक हैं। शिवमंगल की छवि नरेन्द्र सिंह तोमर के एजेंट जैसी है। पार्टी में उनका अपना कोई खास वजन नहीं है। कांग्रेस शिवमंगल को आसानी से पराजित कर सकती हैं, लेकिन यदि मुरैना में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी खुद चुनाव लड़ें तो बात अलग है। क्योंकि मुरैना -श्योपुर संसदीय क्षेत्र में आने वाले 8 विधानसभा क्षेत्रों में से आधे पर कांग्रेस का कब्जा है।

भाजपा के गढ़ ग्वालियर सीट पर वर्तमान सांसद विवेक नारायण शेजवलकर का टिकट काट कर हाल ही में विधानसभा चुनाव हारे पूर्व मंत्री भारत सिंह कुशवाहा को प्रत्याशी बनाया है।भारत सिंह भी पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के समर्थक हैं। मिडिल पास हैं।वे शेजवलकर के मुकाबले बेहतर कैसे मान लिए गए, ये समझना मुश्किल है। कांग्रेस यदि यहां समझदारी से प्रत्याशी लाए तो पासा पलटा जा सकता है। यहां भी मोदी जी का चेहरा दांव पर लगा दिया गया है।

गुना सीट से पिछले चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव हारे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को टिकट दिया गया है। सिंधिया को हराने वाले भाजपा के वर्तमान सांसद केपी सिंह ही नहीं भाजपा के तमाम कार्यकर्ता भी अवाक हैं।जिन कार्यकर्ताओं ने सिंधिया को हराया था उन्ही के कंधों पर अब सिंधिया को जिताने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जाहिर है भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को बंधुआ समझती है।

आपको याद होगा कि भाजपा ने 2020 में कांग्रेस से भाजपा में आए ज्योतिरादित्य सिंधिया इस समय राज्य सभा के सदस्य हैं। उनके स्थान पर सिंधिया के बेटे या बुआ को भी चुनाव लड़ाकर जीत तय की जा सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।अब सिंधिया के बेटे को पांच साल और प्रतीक्षा करना होगी। इस चुनाव में सिंधियाशाही की अग्निपरीक्षा है। ज्योतिरादित्य सिंधिया को खुद भी जीतना है और बाकी की तीन सीटें भी जिताना है।

भाजपा के शीर्ष नेता चाहकर भी पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को मैदान से नहीं हटा सके । फग्गनसिंह कुलस्ते की जरूरत भाजपा को फिर पड़ी। भोपाल में स्थानीय कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए पूर्व महापौर आलोक शर्मा को प्रत्याशी बनाना पड़ा। जाहिर है कि भाजपा नेतृत्व पर मिशन 400 का भारी दबाव है।

भाजपा को मप्र की सभी 29 सीटों पर विजय के लिए अब जादू ही करना होगा, अन्यथा खजुराहो सीट से भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा भी उलझ सकते हैं। कांग्रेस ने ये सीट समाजवादी पार्टी को दी है। दोनों मिलकर चुनौती तो दे ही सकते हैं। उन्हें भी मोदी नाम ही जिता सकता है।

मप्र की राजनीति की धुरी रहे शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में अपने खास सिपहसालार आलोक शर्मा की लोकसभा में इंट्री सुनिश्चित करने का रास्ता बना दिया तो होशंगाबाद सीट से अपने समर्थक दर्शन सिंह चौधरी को भी टिकट दिला दिया। चौधरी इन दिनों भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हैं और उनके ही समाज (किरार) के हैं। राजगढ़ सीट से सांसद रोडमल नागर को भी पुन- टिकट दिलाने में वे सफल रहे। नागर भी किरार समाज से आते हैं।

सागर से लता वानखेड़े को टिकट दिलाने में भी तोमर-शिवराज की जोड़ी की ही भूमिका रही है। खरगोन सांसद गजेंद्र सिंह के भारी विरोध के बाद भी दोनों नेताओं ने उन्हें फिर लोकसभा का टिकट दिलवा दिया। सतना से विधानसभा चुनाव में पराजय झेलने वाले गणेश सिंह के लिए भी शिवराज ने ही जोर लगाया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा अपने समर्थक आशीष दुबे को जबलपुर, सीधी से राजेश मिश्रा, रतलाम से अनीता चौहान को टिकट दिलाने में सफल रहे। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के कोटे में उनके अपने टिकट के अलावा कुछ नहीं है। टिकट वितरण में सिंधिया को उनकी हैसियत दिखा दी गई। भले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें अपना दामाद कहा था लेकिन दामाद को उनके अपने टिकट के अलावा दिया कुछ नहीं। इसे कहते है भई गति सांप - छछूंदर केरी ।

विचार मंथन

दुनिया की सबसे महंगी अनंत-राधिका अंबानी की शादी

(लेखक-सनत जैन) भारत के गुजरात में दुनिया की सबसे महंगी शादी का रिकॉर्ड बनने जा रहा है। इस शादी के प्रीवेडिंग में 1000 करोड रुपए से अधिक घोषित रूप से, तथा अघोषित रूप से करोड़ों रुपए खर्च हुएहैं। दुनिया की यह सबसे महंगी शादी है। अनंत और राधिका की शादी ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया है। मुकेश अंबानी ने अपनी बेटी ईशा अंबानी की शादी में लगभग 700 करोड रुपए खर्च किए थे। अपने बेटे अनंत अंबानी की शादी में 1000 करोड रुपए से ज्यादा घोषित रूप से खर्च किए हैं। भारत में सबसे महंगी शादी का विश्व रिकॉर्ड होगा। इस शादी में दुनिया भर से मेहमान भारत आए हैं। 1 मार्च से लेकर 3 मार्च तक बड़े स्तर पर प्री वेडिंग के फंक्शन रखे गए हैं। लाइव फंक्शन और लाइट डेकोरेशन में करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं। इंटरनेशनल स्टार रिहाना और बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह के लाइव शो में एक अरब रुपए से ज्यादा खर्च किए गए हैं। मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी की ज़ब शादी हुई थी। ईशा की शादी ने सबसे महंगी शादी का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। उस शादी के रिकॉर्ड को मुकेश अंबानी ही तोड़ने जा रहे हैं। अनंत और राधिका की शादी में 1000 करोड रुपए से अधिक खर्च कर रहे है। अनंत राधिका की प्री वेडिंग गुजरात के जामनगर में हो रही है। शादी मुम्बई में होगी। अनंत की दादी का जन्म जामनगर में हुआ था। जामनगर से ही धीरूभाई अंबानी ने अपने बिजनेस का सफर शुरू किया था।मुकेश अंबानी ने भी जामनगर से अपने बिजनेस को आगे बढ़ाया। गुजरात के जामनगर को दुनिया भर में यादगार बनाने के लिए, जामनगर में प्री वेडिंग का आयोजन किया गया है। दुनिया भर से मेहमानों को जामनगर आमंत्रित किया गया। 10 दिनों के लिए जामनगर एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट का दर्जा भारत सरकार ने दिया है।100 से अधिक निजी जेट विमान जामनगर पहुंचे हैं। दुनिया में अनंत और राधिका की शादी ने एक इतिहास रच दिया है।सबसे महंगी शादी का यह वर्ल्ड रिकॉर्ड बनना तय है। मुकेश अंबानी दुनिया के 10 सबसे बड़े धनवानो में शामिल हैं। उस हिसाब से शादी में यदि वह 1000 करोड रुपए से अधिक खर्च कर रहे हैं, तो इसे कोई बड़ी रकम नहीं कहा जा सकता है। भारतीय परिवारों मे शादियों पर भारी खर्च करने का शौक होता है। निम्न और मध्यम वर्ग भी अपनी आर्थिक हैसियत के अनुसार शादी में अपनी सीमा से अधिक खर्च करता है। अनंत अंबानी की शादी में मुकेश अंबानी ने दिल खोलकर अपनी हैसियत के अनुसार सीमित पैसा ही खर्च कर रहे हैं। शादी और प्री वेडिंग के सभी समारोह में हुए खर्च को जोड़ लिया जाए, तो इस शादी मे 2000 करोड रुपए से ज्यादा खर्च किया जा रहा है। मुकेश अंबानी ने आसपास के कई गांव के लोगों को भोजन पर आमंत्रित किया। उन्हें भोजन कराया,अंबानी परिवार ने स्वयं गांव के अतिथियों को खाना परोसा। अनंत अंबानी के बड़े भाई आकाश अंबानी की शादी के खर्च का कोई खुलासा नहीं हुआ।आकाश अंबानी की शादी के स्विट्जरलैंड में प्री वेडिंग सेलिब्रेशन के आयोजन हुए थे। इसमें 500 से अधिक मेहमानों को बुलाया गया था। होटल में 1लाख रूपये प्रतिदिन से अधिक किराए वाले सैकड़ो कमरे बुक किए गए थे। आकाश की शादी का जो कार्ड छपा था। उस कार्ड की कीमत डेढ़ लाख रुपये प्रति कार्ड थी। जामनगर के इस प्री वेडिंग सेलिब्रेशन में कई फंक्शन आयोजित किए गए। 77 करोड रुपए का भुगतान अकेले रिहाना अंतर्राष्ट्रीय सिंगर को किया गया है। बॉलीवुड की हस्तियां जिसमे शाहरुख खान, अक्षय कुमार, अजय देवगन, करीना कपूर और अन्य परिवार के साथ शादी में भाग लेने के लिए सैकड़ों की संख्या में फिल्मी कलाकार पहुंचे। विदेश से जो मेहमान प्री वेडिंग समारोह में भाग लेने के लिए जामनगर पहुंचे हैं। समारोह की भव्यता और खर्च को देखकर देशी-विदेशी अतिथि हतप्रभ है। विदेशी मेहमानों में आरामको पेट्रोलियम कंपनी के सीईओ, माइक्रो सॉफ्ट के बिल गेट्स, फेसबुक के मालिक जुकरबर्ग, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका, कतर के प्रधानमंत्री, सुंदर पिचाई, इंग्लैंड के क्रिकेटर सेमकरन अपनी गर्लफ्रेंड इसाबेला ओर कई महत्वपूर्ण विदेशी और देसी सेलिब्रिटी अनंत-राधिका अंबानी के प्री वेडिंग समारोह में शामिल हुए हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री सहित कई राजनेता और बड़े-बड़े नौकरशाह भी शादी में शामिल हुए हैं। 3 दिन के शादी समारोह के लिए 220 से ज्यादा पकवान तैयार कराए गए। भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सैफ द्वारा भोजन तैयार किया गया। अनंत अंबानी के शादी की भव्यता, स्पेशल कार्यक्रमों, शादी एवं विभिन्न कार्यक्रमों की सजावट देखकर हर मेहमान आश्चर्यचकित थे। फाइव स्टार होटल की सुविधा वाले सैकड़ो कॉटेज जामनगर में तैयार कराए गए थे। जिस पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए। आयोजन स्थल पर आमंत्रित मेहमानों को फाइव स्टार जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। कई विदेशी मेहमानों ने पहली बार भारतीय संस्कृति और परंपराओं के अनुसार इस भव्य समारोह के आयोजन देखकर आश्चर्यचकित थे।

यूं छुड़ाएं बच्चे का अंगूठा चूसना

बच्चों का अंगूठा चूसना एक स्वाभाविक प्रवृति है, लेकिन शिशु जब बड़ा होने लगे, तो उसकी इस प्रवृत्ति पर नजर रखना बहुत जरूरी है अन्यथा वे किशोरावस्था आने तक अंगूठा चूसते रहते हैं। यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा यह प्रवृत्ति छोड़े, तो आजमाइए ये टिप्स -

- बच्चे को किसी तरह का कोई तनाव न हो, इस बात का ध्यान रखें।
- शैशव अवस्था में शिशु को गोद में बिठाकर लाड़ प्यार करें।
- अपने शिशु को स्तनपान कराने में कोताही न बरतें। उसका स्तनपान धीरे-धीरे छुड़ाएं।
- बच्चे की उपेक्षा न करें और न ही उसमें किसी तरह का भय पनपने दें।
- बच्चे में सुरक्षा की भावना पैदा करें।
- मारें-पीटें नहीं और न ही उसके हाथ बांधें।
- यदि उसके मित्र अंगूठा चूसने वाले हैं, तो उनके साथ खेलने न दें।
- उसकी आवश्यकताओं, अपेक्षाओं और जरूरी मांगों को पूरा करें।
- बच्चे की बातों को अनसुनी न करें अपितु धैर्यपूर्वक और सहानुभूति से सुनें।
- यदि बच्चे में कोई हीन भावना व्याप्त हो तो उसे दूर कर उसका आत्मविश्वास बढ़ाएं।
- बच्चे को सृजनात्मक गतिविधियों से जोड़ें और उसे व्यस्त रखें।
- उसे इस बात का अहसास कराएं कि अब वह बड़ा हो रहा है और बड़े बच्चे अंगूठा नहीं चूसते।
- यदि दिनभर में उसने अंगूठा नहीं चूसा, तो इसके लिए उसे शाबाशी दें।
- जब बच्चा अंगूठा चूस रहा हो तो, उसे आइना दिखाएं कि कितना भद्दा लग रहा है वह।

घर के इन हिस्सों में बना सकते हैं ऑफिस

अपने घर के किसी एक खास हिस्से को ऑफिस में कन्वर्ट कर सकती हैं। सबसे पहले आपको देखना होगा कि घर में खाली स्थान कौन सा है। ऐसी जगह जो काम में नहीं आ रही। अगर आपका ऑफिस वर्क कुछ ही घंटों का है तो आप अपने स्टडी और लिविंग स्पेस में भी पार्टिशन कर सकती हैं। यदि आपका काम ज्यादा समय का है तो आपको घर में ही एक अलग स्थान की तलाश करनी होगी। आप अपने स्टोर रूम, गैरेज, घर के बेसमैंट या एक्स्ट्रा बॉलकनी को रैनोवेट करवा कर उसे ऑफिस की तरह यूज कर सकती हैं।

फर्नीचर हो कम्फर्टेबल

घर में खोले जाने वाले ऑफिस का फर्नीचर कम जगह घेरने वाला और कम्फर्टेबल होना चाहिए। अपनी ऑफिस टेबल के लिए कांपैक्ट साइज के कंप्यूटर, की-बोर्ड और स्मार्ट चेयर का चुनाव करें। ऑफिस में सामान व्यवस्थित रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा अलमारियां और कैबिनेट होने चाहिएं। थोड़ी सी जगह खाली भी रहे, इस बात का खास ध्यान रखें। ऑफिस बनाने के लिए आपको एक ऐसे कमरे का चुनाव करना होगा, जहां आप डिस्टर्ब न हों। आप खुद को घर से अलग महसूस कर सकें और घर में होने वाली आवाजें आपके काम में दखल न डालें।

विंटर में खाएं रोस्टेड आलू

सामग्री - छोटे आलू - 250 ग्राम उबले हुए, तेल - 2 टेबल-स्पून, तंदूरी मसाला - 1-1 टी-स्पून, चाट मसाला और लाल मिर्च पाऊडर, आधे नींबू का रस, स्वादानुसार नमक, गार्निशिंग के लिए हरा धनिया और प्याज के रिंग्स

विधि - तंदूरी मसाला, चाट मसाला, लाल मिर्च पाऊडर, तेल, नींबू का रस, काली मिर्च पाऊडर और नमक को मिला कर इसमें आलू को 4-6 घंटे के लिए मेरिनेट करें, फिर चिकनाई लगी सींक पर लगाकर ग्रिल कर लें। हरा धनिया व प्याज के रिंग्स से गार्निशिंग करके गर्म-गर्म सर्व करें।

जीवन में आगे बढ़ना है तो आपको महत्वाकांक्षी तो होना ही होगा, परंतु वह इतना ज्यादा भी न हो कि आपके सही लक्ष्य के आड़े आ जाए। जीवन में छोटी-छोटी सफलताओं को प्रगति का पायदान बना लें, इससे आपको संतुष्टि मिलेगी और बड़ी सफलता भी एक दिन मिल ही जाएगी।

अपने गुणों से न रहें बेखबर

चांदनी ने बचपन से ही इंटीरियर डैकोरेटर बनने का ख्वाब देखा था और उसने अपना ख्वाब पूरा भी किया। आज वह अपने छोटे से शहर में नंबर एक इंटीरियर डिजाइनर मानी जाती है, परंतु उसे इस बात का दुख है कि फैमिली के प्रतिबंध के कारण वह किसी बड़े शहर में अपनी पहचान नहीं बना सकी, जहां उसकी काबिलियत एक बड़े स्तर पर पहचानी जाती या नामी इंटीरियर्स की तरह उसके चर्चे भी समाचारपत्रों और मैगजीन इत्यादि में होते, जबकि उसके साथियों को वह मुकाम हासिल है। रचना साधारण रूप-रंग की है, परंतु अपनी लिखी कविताओं से वह दोस्तों और रिश्तेदारों में काफी प्रसिद्ध है। अपने साधारण रूप-रंग से उत्पन्न हुई कुंठा से उसने अपनी ही प्रतिभा को एक दायरे में सीमित कर लिया है। यहां तक कि वह किसी मुशायरे में बुलाने पर भी नहीं जाती कि लोग उसका मजाक उड़ाएंगे। जब लोग उसकी कविताओं की प्रशंसा करते हैं, तो उसे लगता है कि वह उसकी साधारण रंगत का मजाक उड़ा रहे हैं और वह अपने में और ज्यादा सिमट जाती है।

शिकवा है ये झूठा

चांदनी और रचना दो उदाहरण हैं ऐसी लड़कियों की जो अपने करियर या पर्सनैलिटी को लेकर किसी न किसी हीन भावना में घिरी रहती हैं। ऐसी अनेक युवतियां हैं, जिन्हें जिंदगी से इस बात की शिकायत रहती है कि उनके हिस्से में सबसे ज्यादा परेशानियां और दुख आए हैं। वह कुछ और हो सकती थी, परंतु जिंदगी ने उन्हें वह मौका ही नहीं दिया।

अपने अवगुण आते नजर

किसी दूसरे की तो बात ही छोड़ो, इन्हें अपने में अवगुण इतने ज्यादा नजर आने लगते हैं कि इनके साए सोच पर गहराने लगते हैं, क्योंकि अपने वे गुण जो इन्हें दूसरों से अलग बनाते हैं, इन्हें नजर नहीं आ पाते। जब यह सोच अपनी पैठ बना ले कि हमारा कोई काम ठीक से नहीं हो पाता, तो आप अपनी बात दूसरों के सामने कैसे रख पाएंगे या फिर नए आइडियाज कैसे आ पाएंगे। दूसरों की अपेक्षा अपनी ही आलोचना आपका मनोबल तो गिराती है और इससे प्रभावित होने लगते हैं हमारे आस-पास के लोग। इसके लिए जरूरी है कि वे शिकवे जो जिंदगी से लेकर अपने आप तक से हम किए बैठे हैं उन्हें दरकिनार कर अपनी क्षमताओं तथा विश्वास को पहचानें तथा उन्हें नए नजरिए से लोगों के सामने रखें। एक छोटे शहर में रहते हुए लोगों को इंटीरियर डैकोरेशन के महत्व से अवगत कराना अपने-आप में बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि बड़े शहरों के लोग तो पहले से ही इसे जानते हैं। या फिर रूप-रंग पर साहित्य का मुलम्मा जब चढ़ता है तो वह व्यक्तित्व को पहले से कहीं ज्यादा निखार देता है।

पहचानें खुद को

अपनी खूबियों को पहचानें और यह सोचें कि सीमित साधनों में भी आप क्या कर सकती हैं। फिर भी आपको स्वयं में कोई कमी नजर आए तो हीन भावना का शिकार बनने की अपेक्षा अपना ध्यान खुद को अपडेट करने की तरफ लगा दें और अपने प्रोफैशन और रुचि के लिए नए-नए तरीके खोजें।

महत्वाकांक्षा की लगाम न खींचें

जीवन में आगे बढ़ना है तो आपको महत्वाकांक्षी तो होना ही होगा, परंतु वह इतना ज्यादा भी न हो कि आपके सही लक्ष्य के आड़े आ जाए। जीवन में छोटी-छोटी सफलताओं को प्रगति का पायदान बना लें, इससे आपको संतुष्टि मिलेगी और बड़ी सफलता भी एक दिन मिल ही जाएगी।

सफलता के मायने

बैंक बैलेंस और बड़ा-सा बंगला सफल होने की निशानी नहीं है बल्कि जिस प्रोफैशन में आप आई हैं, उसमें धीरे-धीरे बढ़ते हुए नाम कमा लेना ही सफलता के मायने हैं, क्योंकि इसने आपकी पर्सनैलिटी और आपके नाम को एक पहचान दी है। किसी भी करियर में सफल होने के लिए आप उससे जुड़ी नई जानकारियां हासिल करती रहें और यदि किसी कारणवश आप अपने प्रोफैशन से जुड़ी उच्च शिक्षा नहीं प्राप्त कर पाईं तो अब एक बार फिर से उसके लिए प्रयास करें, ताकि आपकी उन्नति के रास्ते बन सकें। दुनिया में महान व्यक्ति वही माना जाता है जो विषम परिस्थितियों के बावजूद अपने जीवन को बेहतर बना सकता है। अपनी सोच को पॉजीटिव बनाएं।

महके गुणों की खुशबू

यदि नकारात्मक टिप्पणी करने वाले लोग हैं, तो ऐसे लोग भी हैं जो आपकी खामियों के साथ खूबियों की भी तारीफ करना जानते हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती करें जो जीवन के प्रति पॉजीटिव अप्रोच रखते हों, क्योंकि उनका साथ आपको भी आशावादी बनाएगा।

सहेज लें मीठे पल

कभी किसी की कोई बात आपके मन को छू जाए, कोई प्रशंसा के मधुर बोल बोल जाए, कभी बड़ों का सहज ही आशीर्वाद मिल जाए या कोई उम्मीद से परे थैंक यू बोल जाए तो इन्हें डायरी में नोट कर लें। अपनी उपलब्धियां, यादें, रिश्तों की महक, जीवन के सुख-दुख और पेरैंट्स की डांट और प्रशंसा सब लिखें। जब जीवन में निराशा या कोई असफलता परेशान करे तो उसे पढ़ लें आपके होंठों पर मुस्कान ही नहीं आएगी, बल्कि कुछ कर दिखाने की प्रेरणा भी मिलेगी।

बच्चों को सिखाएं इज्जत करना

बच्चे अपने से बड़ों की बातों का बहुत जल्दी अनुकरण करते हैं। अगर आप झूठ बोलेंगे, घर में अपने से बड़ों का आदर नहीं करेंगे या लड़ाई-झगड़ा करते हुए अपशब्दों का प्रयोग करेंगे तो आपको ऐसा करते देख आपका बच्चा भी वही सीखने लगेगा। उदाहरणत- यदि आप अपने पेरैंट्स से ठीक व्यवहार नहीं करते तो कल आपका बच्चा भी आपके साथ वही सब कुछ करेगा। कुछ माता-पिता की यह भी आदत होती है कि वे तकरीबन हर छोटी से छोटी बात में भी अपने बच्चे का नुक्स निकालते रहते हैं, उन्हें रोकते-टोकते रहते हैं जो गलत है।

अगर आप सच में अपने बच्चों से इज्जत चाहते हैं तो उनकी सोच, भावनाओं, उनकी बातों और इच्छाओं का ख्याल रखना जरूरी है ताकि वे भी आपको समझ सकें। अक्सर ऐसा होता है कि पेरैंट्स अपने बच्चों की परीक्षा या किसी कॉम्पीटीशन के रिजल्ट को लेकर काफी उत्सुक होते हैं। जब वही परिणाम उनकी आशा के अनुरूप नहीं आता तो वे उन्हें बुरा-भला सुनाने लगते हैं। उनकी दूसरे बच्चों से तुलना भी शुरू कर देते हैं कि फलां का बेटा फर्स्ट आया है, हमने तुम्हें किस चीज की कमी रखी थी जो तुम कोई डिवीजन नहीं ला पाए।

आप बच्चों को डांटने की बजाय उनमें एक नया जोश जगाएं कि कोई बात नहीं, अगली परीक्षा में तुम जरूर अव्वल आओगे। इस प्यार भरे प्रोत्साहन से बच्चे पर जादू-सा असर होता है। अत- बच्चों में आपसी तुलना करने की बजाय उन्हें प्रोत्साहित करें। बच्चों में अच्छे संस्कारों का प्रसार करें क्योंकि संस्कार ही हमारी परम्पराओं को अभिव्यक्त करते हैं। चाहे कोई भी धर्म हो, सब में अपने से बड़ों का आदर और छोटों को प्यार की सीख दी जाती है।

उनमें कटुता और हिंसा जैसे विचार न पनपने दें। प्राय- जब बच्चे के करियर की बात आती है तो पेरैंट्स उसे अपनी पसंद का विषय चुनने की स्वतंत्रता अवश्य दें परन्तु उसका साथ देते हुए उस विषय से संबंधित वर्तमान-भविष्य की जानकारी भी उपलब्ध कराएं। उसे बताएं जो करियर उसने चुना है उसमें भविष्य की क्या संभावनाएं हैं। हर मां-बाप यही सोचते हैं कि पढ़ना बहुत जरूरी है चाहे उनके बच्चे की रुचि डांस या कला में हो।

अक्सर ऐसा सुनने को मिलता है कि जब देखो डांस करते रहते हो या ड्राइंग करते रहते हो, पढ़ाई कब करोगे? इससे अशांत होकर बच्चे किसी तरफ भी अपना मन नहीं लगा पाते और पेरैंट्स के प्रति वितृष्णा से भर जाते हैं। अत- उनकी रुचियों को जागृत करें व उस क्षेत्र में उन्हें आगे बढ़ने के लिए पूरा सहयोग दें जिसमें उनकी रुचि हो। कुछ पेरैंट्स की यह आदत होती है कि बच्चों को हमेशा डांटते-फटकारते रहते हैं और उनके कामों में नुक्स भी निकालते रहते हैं। इससे बच्चे चिड़चिड़े हो जाते हैं और हमेशा कटे-कटे से रहते हैं।

ऐसे में उनकी अच्छाइयों को आगे लाते हुए प्रोत्साहित करें। बच्चों को जब भी डांटें, उसकी कोई ठोस वजह जरूर हो ताकि बच्चा भी समझ जाए कि वाकई उसकी गलती पर उसे डांट पड़ी है। सबसे गंभीर समस्या जो अक्सर परिवारों में देखने को मिलती है वह है बच्चों के माता-पिता घर में अपने बुजुर्गों का आदर और सेवा नहीं करते व उनके बारे में अनाप-शनाप बोलते रहते हैं। कई तो अपने बूढ़े मां-बाप को वृद्धाश्रम तक का रास्ता भी दिखा देते हैं।

जब बच्चे अपने घर में यह सब होता देखते हैं तो उनके कोमल मन पर इन बातों का बुरा प्रभाव पड़ता है। अपने माता-पिता की देखा-देखी में वे भी तमीज का दायरा तोड़ने लगते हैं। बात-बात पर ऊंचा बोलना, हरेक के आगे जवाब देना, मुंहफट और उग्र व्यवहार उनके व्यक्तित्व पर बिगड़ैल बच्चे का ठप्पा लगा देता है। ऐसे में पेरैंट्स को चाहिए कि वे अपने बुजुर्गों के प्रति उदार रवैया अपनाएं और उनके प्रति सम्मान दर्शाते हुए उनकी हर जरूरत का ध्यान रखें। अगर पेरैंट्स उपरोक्त बातों पर काबू पा लें और बच्चों के लालन-पालन में धैर्य और शांति रखेंगे तो हर काम सकारात्मक रूप से अच्छा होगा। बच्चों पर आपकी इन अच्छाइयों का प्रभाव यह होगा कि वे समझदार तो बनेंगे ही साथ में माता-पिता के रूप में आपको सम्मान पूरा देंगे।

सिग्नेचर ग्लोबल ने गुरुग्राम में 1,008 लक्जरी फ्लैट बेचे

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने गुरुग्राम में अपनी नई आवासीय परियोजना में 1,008 लक्जरी फ्लैट 3,600 करोड़ रुपये से अधिक में बेच` दिए हैं। सिग्नेचर ग्लोबल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि अब चालू वित्त वर्ष में कंपनी की बिक्री बुकिंग 4,500 करोड़ रुपये के शुरुआती अनुमान के मुकाबले आसानी से 7,200 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा` कि हमने द्वारका एक्सप्रेसवे पर गुरुग्राम के सेक्टर 37डी में एक नई आवासीय परियोजना शुरू की है। हमने वहां सभी 1,008 आवासीय इकाइयां 3,600 करोड़ रुपये से अधिक में बेच दी हैं। कंपनी को इस नई 16.5 एकड़ की परियोजना डीई लक्स-डीएक्सपी में ग्राहकों से 5,400 ईओआई रुचि पत्र (ईओआई) मिले थे। उन्होंने कहा कि तीन से चार करोड़ रुपये कीमत वाले प्रीमियम घरों की भारी मांग है। गुरुग्राम के बाजार में ज्यादातर प्रीमियम परियोजनाओं में फ्लैट का भाव सात करोड़ रुपये से अधिक है। लगभग 35 प्रतिशत फ्लैट की बुकिंग अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) और कॉरपोरेट जगत के बड़े अधिकारियों द्वारा की गई है। उन्होंने बताया कि कंपनी इस नई आवासीय परियोजना में डिलिवरी 2028 में शुरू करेगी।

परिधान रिटेल फर्मों में मांग में नरमी से दबाव

- कई रिटेल कंपनियों ने एक अंक की ग्रोथ दर्ज की

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2023 की लगातार चौथी तिमाही में परिधान रिटेल क्षेत्र ने सुस्त प्रदर्शन दर्ज किया है। त्योहारी और शादियों के सीजन के बावजूद कई रिटेल कंपनियों ने एक अंक की वृद्धि या स्टोर बिक्री में गिरावट दर्ज की। पहले से ही सुस्त मांग परिवेश को तिमाही के दौरान बढ़ती मुद्रास्फीति और श्राद्ध ने और बिगाड़ दिया। जहां रिटेल दिग्गजों की राजस्व वृद्धि सालाना आधार पर 20-25 प्रतिशत रही, वहीं इसे नए स्टोर खुलने से बड़ी मदद मिली। सूचीबद्ध कंपनियों में ट्रेंट इन सबसे काफी अलग रही और उसने स्टोरों की संख्या बढ़ाकर 50 प्रतिशत से ज्यादा राजस्व वृद्धि दर्ज की। आईआईएफएल रिसर्च का मानना है कि उनके कवरेज वाली कंपनियों के लिए समेकित बिक्री 12 प्रतिशत तक रही, जबकि एक साल पहले की अवधियों के मुकाबले जुलाई-सितंबर और अक्टूबर-दिसंबर तिमाहियों की तुलना में वृद्धि 7 प्रतिशत रही। ब्रोकरेज के विश्लेषकों का कहना है कि कुल मांग रुझान सुस्त बना हुआ है और सभी कंपनियों के प्रबंधन ने अल्पावधि के लिए मजबूत अनुमान नहीं जताए हैं।

कई राज्यों में बदले पेट्रोल-डीजल के भाव

- ब्रेंट क्रूड बढ़त के साथ 83.83 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त देखी गई। सोमवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड बढ़कर 80.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, वहीं ब्रेंट क्रूड 83.83 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। सोमवार को महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में 96 पैसे और डीजल में 92 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 67 और डीजल 65 पैसे महंगा हो गया है। इसके अलावा राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी दिख रही है। दूसरी ओर बिहार में पेट्रोल 28 पैसे और डीजल 26 पैसे सस्ता हो गया है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और ओडिशा में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कमी दिख रही है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.26 रुपये और डीजल 89.45 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.78 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

सिंधिया ने स्टेनलेस स्टील क्षेत्र में देश के पहले ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र का किया उद्घाटन

नई दिल्ली।

केंद्रीय इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को हरियाणा के हिसार स्थित जिंदल स्टेनलेस में इस क्षेत्र में देश के पहले ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का वर्चुअल उद्घाटन किया।इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि यह परियोजना स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिए दुनिया का पहला ऑफ-ग्रिड ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र और रूफटॉप तथा फ्लोटिंग सोलर यूनिट्स वाला दुनिया का पहला ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र है। इस अत्याधुनिक संयंत्र का लक्ष्य हर साल कार्बन उत्सर्जन में 2,700 टन की कमी लाकर दो दशकों में 54 हजार टन कार्बन फुटप्रिंट कम करना है। मंत्री ने हरित एवं टिकाऊ भविष्य के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, एक सरकार के रूप में हम 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कंपनियों, नागरिकों और राज्य सरकारों को हरित विकास तथा हरित रोजगार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, परियोजना न केवल सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है बल्कि जिम्मेदार औद्योगिक प्रथाओं की क्षमता को प्रदर्शित करते हुए मूल्यवान रोजगार के अवसर भी पैदा करती है। मंत्री ने अन्य उद्योग हितधारकों से उत्साहपूर्वक स्वच्छ प्रौद्योगिकियाँ अपनाने, हरित अर्थव्यवस्था की दिशा में देश की परिवर्तनकारी यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लेने और एक कर्तव्यनिष्ठ औद्योगिक परिदृश्य को बढ़ावा देने का आग्रह किया। सिंधिया ने मजबूत राष्ट्रीय हरित नीतियों को शुरू करने के लिए सरकार के कदमों का उल्लेख किया, जिसमें हरित इस्पात उत्पादन के प्रत्येक पहलू के लिए कार्य बिंदुओं की पहचान करने के लिए 13 टास्क फोर्स की स्थापना और घरेलू स्तर पर उत्पादित स्क्रैप की उपलब्धता बढ़ाने के लिए स्टील स्क्रैप रीसाइक्लिंग नीति का कार्यान्वयन शामिल है। मंत्री ने इस्पात क्षेत्र में देश की प्रगति, एक शुद्ध आयातक से एक शुद्ध निर्यातक बनने और कच्चे इस्पात का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बनने के लक्ष्यों पर भी प्रकाश डाला।

आरबीआई रद्द कर सकती है पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस

नई दिल्ली । पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयर्स में पिछले एक महीने से लगातार उतार-चढ़ाव चल रहा है। सोमवार को कारोबार खुलने के बाद एक बार` फिर पेटीएम के शेयरों में गिरावट देखी गई। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि आरबीआई पेटीएम की बैंकिंग विंग पीपीबीएल का लाइसेंस रद्द कर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक आरबीआई पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के बैंकिंग लाइसेंस को रद्द करने जैसा अप्रत्याशित कदम उठा सकता है। रिपोर्ट में बताया गया कि केंद्रीय बैंक पीपीबीएल के महत्वपूर्ण कामों की देखरेख के लिए एक एडमिनिस्ट्रेटर (प्रशासक) भी नियुक्त कर सकती है। कारोबार की शुरुआत में वन97 कम्युनिकेशंस के शेयर में 409.68 अंक गिरकर कारोबार देखा गया। शेयरों में 393.70 का लोअर सर्किट लगा हुआ है। बता दें कि शुक्रवार 1 मार्च के कारोबारी सत्र में पेटीएम के शेयर 424.05 रुपए पर खुलकर 425.45 रुपए पर बंद हुए थे।

टेलीकॉम नेटवर्क के फर्जीवाड़े पर लगाम लगाएगा नया पोर्टल

नई दिल्ली । साइबर क्राइम पर लगाम लगाने की कोशिश में सरकार समय-समय पर जरूरी कदम उठाती है। सरकार अब टेलीकॉम नेटवर्क पर होने वाले फर्जीवाड़े पर लगाम लगाने के लिए संचार साथी पोर्टल पर चक्षु लॉन्च करने वाली है। टेलीकॉम नेटवर्क में हो रहे फर्जीवाड़े की सीधी शिकायत ग्राहक यहां कर पाएंगे। इस पोर्टल लॉन्च के बाद अगर आपके पास कोई संदेहजनक कॉल या मैसेज आते हैं तो आप इस पोर्टल पर जाकर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। गूगल से आईटी मंत्री की मुलाकात सोमवार शाम 5 बजे चक्षु लांच के बाद हो सकती है। इस बैठक में सभी 10 एप के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। स्टार्टअप्स के इकोसिस्टम को सरकार से सभी जरूरी सुरक्षा का भरोसा है। केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, जिन्होंने शनिवार को विवादास्पद मुद्दे में हस्तक्षेप किया, ने सोमवार को दोनों पक्षों के साथ एक बैठक निर्धारित की है। वैष्णव ने कहा कि हम स्टार्टअप इकोसिस्टम का समर्थन करना जारी रखेंगे। ऐप डेवलपर्स और गूगल टीमें मिलेंगी और अपने दृष्टिकोण बताएंगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद , सेंसेक्स 73,872.29 के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा

निफ़्टी 22,405.60 पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) से आयी है। आज बीएसई सेंसेक्स 73,872 अंक के शीर्ष स्तर पर पहुंचा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.09 फीसदी करीब 66.14 अंक की बढ़त के साथ ही 73,872.29 के सर्वोच्च स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 15 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 15 के ही शेयर नुकसान में रहे। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.12 अंक तकरीबन 27.20 फीसदी बढ़कर 22,405.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 25 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 25 के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए।

आज कारोबार के दौरान एनटीपीसी का शेयर सबसे ज्यादा 3.50 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। साथ ही पावर ग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, कोटक बैंक, एचडीएफसी बैंक के शेयर ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर जेएसडब्ल्यू स्टील का शेयर सबसे ज्यादा 2.49 फीसदी टूटकर बंद हुआ। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, अल्ट्रा सीमेंट, इन्फोसिस, आईटीसी, टीसीएस, एचसीएल टेक , विप्रो के शेयर टूटे हैं।

वहीं इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजार से` मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन बाजार की हल्की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। निफ्टी 65.90 अंक की बढ़त के साथ 22,404.65 पर और सेंसेक्स 112.63 अंक की तेजी के साथ 73,838.44 पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपन में सेंसेक्स 101.12 अंक ऊपर 73,907.27 पर और निफ्टी 25.60 अंक ऊपर 22,404.00 पर दिख रहा था। गिफ्ट निफ्टी रिकॉर्ड 22500 के पार पहुंच गयाहै। इससे पहले शनिवार को स्पेशल ट्रेडिंग डे को सेंसेक्स 60 अंकों की मजबूती के साथ 73,806 पर बंद हुआ था। वहीं एशियाई और अमेरिकी वायदा बाजारों में मिलेजुला कारोबार हुआ।ब्रांड यील्ड 4.2 फीसदी के नीचे बरकरार है। वहीं नवंबर 2021 के बाद नैस्डेक ने अमेरिनया रिकॉर्ड बनाया है। एसएंडपी 500 पहली बार 5100 के पार पहुंचा है।

मूडीज ने भारत का जीडीपी ग्रोथ अनुमान बढ़ा कर 6.8 फीसदी किया

नई दिल्ली ।

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने 2024 के वित्तीय वर्ष के लिए भारत की वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले 2024 में रे टिंग एजेंसी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.1 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया था। वर्ष 2023 में भारत के आर्थिक आंकड़े उम्मीद से कहीं बेहतर रहे हैं, जिससे मूडीज ने वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया है। जी20 में भारत तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। वित्तीय वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सालाना आधार पर 8.4 प्रतिशत रही है। ऐसे में पूरे 2023 के साल में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने सोमवार को कहा कि सरकार के पूंजीगत व्यय और मजबूत विनिर्माण गतिविधियों ने 2023 में वृद्धि के मोर्चे पर सार्थक नतीजे दिए हैं। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियां अब कम रह गई हैं, जिसकी वजह से भारत आसानी से छह से सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है। मूडीज ने अपने वैश्विक वृहद आर्थिक परिदृश्य-2024 में कहा` कि भारत की अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन किया है और 2023 में उम्मीद से अधिक मजबूत आंकड़ों के कारण हमने 2024 के लिए अपना वृद्धि दर का अनुमान 6.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है।

भारत जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। मूडीज ने कहा कि 2025 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उच्च-आवृत्ति के संकेतकों से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था की सितंबर और दिसंबर तिमाही की मजबूत रफ्तार 2024 की मार्च तिमाही में जारी है।

सरकार ने तंजानिया को गैर-बासमती चावल निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने तंजानिया को 30,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल और जिबूती और गिनी बिसाऊ को 80,000 टन टूटे चावल के निर्यात की अनुमति दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा है कि नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से यह निर्यात किया जाएगा। हालांकि घरेलू आपूर्ति को बढ़ाने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर रोक लगी है, लेकिन सरकार अनुरोध के आधार पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों के लिए निर्यात की अनुमति देती है। तंजानिया एक पूर्वी अफ्रीकी देश है, जबकि जिबूती अफ्रीकी महाद्वीप के उत्तर-पूर्वी तट पर है। गिनी-बिसाऊ पश्चिम अफ्रीका का देश है। अधिसूचना के अनुसार जिबूती को 30,000 टन और गिनी बिसाऊ को 50,000 टन टूटे चावल के निर्यात की अनुमति दी गई है।

केंद्र सरकार ने यूएई, बांग्लादेश को 64,400 टन प्याज निर्यात की दी अनुमति

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के जरिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बांग्लादेश को 64,400 टन प्याज कर निर्यात करने अनुमति प्रदान कर दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने इस बारे में एक अधिसूचना जारी की है। बांग्लादेश को जहां 50,000 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी, वहीं यूएई को 14,400 टन प्याज का निर्यात किया जाएगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि एनसीईएल के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात को तिमाही 3,600 टन की सीमा के साथ 14,400 टन प्याज का निर्यात अधिसूचित किया गया है। डीजीएफटी वाणिज्य मंत्रालय की इकाई है जो आयात और निर्यात से संबंधित मानदंड को देखती है। बांग्लादेश को निर्यात के बारे में कहा गया है कि इसका तौर-तरीका एनसीईएल उपभोक्ता मामलों के विभाग के साथ विचार-विमर्श में तय करेगा। हालांकि, प्याज के निर्यात पर अभी प्रतिबंध है लेकिन सरकार कुछ मित्र देशों को एक निश्चित मात्रा में इसके निर्यात की अनुमति देती है। इस निर्यात की अनुमति सरकार द्वारा अन्य देशों से मिले अनुरोधों के आधार पर दी जाती है। पिछले साल आठ दिसंबर को सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के मकसद से इस साल 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे पहले केंद्र ने अक्टूबर, 2023 में उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए खुदरा बाजार में 25 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बफर स्टॉक के प्याज की बिक्री बढ़ाने का फैसला किया था। कीमतों पर काबू पाने के लिए सरकार पहले भी कई कदम उठा चुकी है।

आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही के लिए क्लेम सैटलमेंट का उद्योग-अग्रणी अनुपात कायम रखा

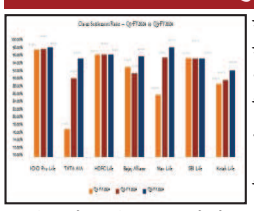

वित्तीय नियोजन की अगर बात करें, तो जीवन बीमा इसका एक अनिवार्य घटक है, जो परिवार और आश्रितों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। यह पॉलिसीधारक की असामयिक मृत्यु की स्थिति में परिवार की वित्तीय भलाई सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा किया गया एक वादा है। इन अर्थों में यह किसी प्रियजन को खोने के कारण उत्पन्न वित्तीय संकट को कम करने का एक बेहतर तरीका है।

जीवन बीमा के मामले में क्लेम एक सच्चाई है और इसलिए किसी को उसी ब्रांड से पॉलिसी खरीदनी चाहिए, जिस पर वे भरोसा करते हैं। क्लेम सैटलमेंट अनुपात और दावा निपटाने में लगने वाले औसत समय के मूल्यांकन के आधार पर ग्राहक अपने अनुकूल जीवन बीमाकर्ता का चुनाव कर सकते हैं। क्लेम सैटलमेंट के मामले में टर्नअराउंड समय भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सुनिश्चित करता है कि लाभार्थियों को दावे की राशि शीघ्र प्राप्त हो।

हालाँकि, जिम्मेदारी पूरी तरह से बीमा कंपनी की नहीं है। ग्राहक खरीदारी के समय सभी प्रकार की जानकारी का सच्चाई से खुलासा करने की जिम्मेदारी भी निभाते हैं, इससे नामांकित लोगों के लिए त्वरित और परेशानी मुक्त दावा अनुभव सुनिश्चित किया जा सकता है।

नियमों के अनुसार, जीवन बीमाकर्ता तिमाही आधार पर अपने दावा निपटान अनुपात की घोषणा करते हैं। आख़िकार व्यक्ति यह सुनिश्चित करने के लिए जीवन बीमा खरीदते हैं कि किसी भी स्थिति में उनके आश्रित वित्तीय रूप से सुरक्षित रहें।

नीचे दिया गया चार्ट कुछ जीवन बीमा कंपनियों के दावा निपटान अनुपात को दर्शाता है। खास बात यह है कि आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के पास लगातार दावा निपटान अनुपात ट्रैक रिकॉर्ड है, जिसमें वित्त वर्ष 2024 के शुरुआती नौ महीनों के लिए उल्लेखनीय 98.6 प्रतिशत दावा निपटान अनुपात शामिल है।

दावा निपटान अनुपात में निरंतरता भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पॉलिसीधारक को मानसिक शांति प्रदान करता है कि जब वे आसपास नहीं होंगे, तो उनका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर नहीं होगा। वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ का दावा निपटान अनुपात 98.10 फीसदी था, दूसरी तिमाही में यह 98.14 प्रतिशत रहा और तीसरी तिमाही में अनुपात 98.52 फीसदी था।

ई-दोपहिया में भारी छूट के बाद भी बिक्री ने नहीं पकड़ी रफ्तार

- फरवरी में 79,139 वाहनों का पंजीकरण हुआ, जो जनवरी में 79,214 से कुछ कम है

नई दिल्ली ।

पिछले दो महीने में इले क्ट्रिक वाहनों में सभी मॉडलों पर भारी छूट के बावजूद पिछले माह दर माह बिक्री स्थिर बनी हुई है। वाहन के आंकड़ों के अनुसार फरवरी के अंत तक वाहन पंजीकरण संख्या 79,139 तक पहुंच गई, जो जनवरी में 79,214 से कुछ कम है। फरवरी में केवल सात कंपनियों की पंजीकरण संख्या ही 1,000 से अधिक तक पहुंच पाई। प्रमुख चार इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता ओला, टीवीएस, बजाज और एथर की बाजार में 86.45 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। बाजार में टिके रहने के लिए इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनियों के बीच संघर्ष अब भी जारी है। टोर्क, रिवोल्ट और अल्ट्रावॉयलेट सामूहिक रूप से महीने में केवल 649 वाहनों का ही पंजीकरण करा पाने में सफल रहीं और उनमें से अधिकांश पंजीकरण रिवोल्ट के रहे। ओला ने आईपीओ के जरिये 5,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के पास आवेदन किया है। वह अपने सभी मॉडलों पर खासी छूट की पेशकश और 79,999 रुपये से शुरू होने वाला सस्ता मॉडल पेश करके बिक्री बढ़ाने पर जोर दे रही है। उसने कीमतों में भी 25,000 रुपये तक की कमी की है। इन फैसलों से ओला को शीर्ष स्थान पर बने रहने और प्रतिस्पर्धा में काफी आगे रहने में मदद मिली है।फरवरी में उसका वाहन पंजीकरण 33,316 तक पहुंच गया जो उसका अब तक का सर्वाधिक स्तर है। लेकिन जनवरी की तुलना में केवल तीन प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई। इसके बावजूद वह इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार के 42 प्रतिशत हिस्से पर बरकरार है। पहले से मौजूद कंपनियों बजाज और टीवीएस की संयुक्त हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। एथर ने भी अपनी कीमतें कम की है लेकिन इससे उसकी बिक्री में बढ़ोतरी नहीं हुई है। जनवरी की तुलना में फरवरी में बिक्री कम हो गई।

पिछले साल छत पर स्थापित सौर क्षमता 6.25 फीसदी बढ़ी: रिपोर्ट

मुंबई ।

बीते साल 2023 में छतों पर स्थापित सौर बिजली (रूफटॉप सोलर) क्षमता 6.25 प्रतिशत बढ़कर 1.7 गीगावाट हो गई है। एक अमेरिकी शोध कंपनी की ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थापना लागत में कमी जैसे कारकों की वजह से छतों पर स्थापित सौर क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 में छतों पर स्थापित सौर क्षमता में वृद्धि 1.6 गीगावाट (जीडब्ल्यू) थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर-दिसंबर, 2023 में छतों पर 406 मेगावाट सौर बिजली क्षमता जोड़ी गई। 2022 की अंतिम तिमाही में जोड़ी गई 483 मेगावाट क्षमता से यह आंकड़ा 15.9 प्रतिशत कम है। दिसंबर, 2023 के अंत में छतों पर स्थापित सौर क्षमता कुल मिलाकर 10.5 गीगावाट तक पहुंच गईं। वर्ष 2023 में रूफटॉप सोलर में प्रमुख योगदान आवासीय क्षमता का रहा। हालांकि वृद्धि मामूली थी क्योंकि कई कमर्शियल और इंडस्ट्रियल उपभोक्ता अपने पूंजी निवेश को कम करने के लिए मॉड्यूल की कीमतों के स्थिर होने का इंतजार कर रहे थे। बीते साल छतों पर स्थापित कुल सौर क्षमता में आवासीय खंड का हिस्सा 50 प्रतिशत से अधिक रहा। इसके बाद कमर्शियल और इंडस्ट्रियल सेक्टर का हिस्सा आता है।

पाटीदार को अभी अवसर दिये जाने के पक्ष में हैं डिविलियर्स

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज रजत पाटीदार की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे अभी और अवसर दिये जाने चाहिये। रजत ने इंग्लैंड के खिलाफ अब तक तीन टेस्ट खेले हैं। जिसमें वह विफल रहे हैं जिससे ये आशंकाए लगायी जा रही हैं कि उन्हें अब आगे शायद ही जगह मिले। वहीं डिविलियर्स का कहना है कि रजत आखिरी टेस्ट में भी शामिल किये जा सकते हैं। डिविलियर्स ने कहा अगर पाटीदार का प्रदर्शन आकर्षक है और अगर वह ड्रेसिंग रूम में एक पसंदीदा खिलाड़ी है, तो रोहित और चयन समिति के पास यह कहने की क्षमता होगी कि हमें विश्वास है कि इस खिलाड़ी का भविष्य अच्छा है और हम उसे टीम के एक हिस्से के रूप में देखते हैं। टीम आगे बढ़ रही है। भले ही वह रन नहीं बना रहा हों उन्हें थोड़ा लंबे समय तक खेलने का मौका दो। वहीं अब माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन भी पाटीदार को एक और अवसर दे सकता है क्योंकि उनको इस खिलाड़ी की प्रति पर काफी भरोसा है। प्रबंधन का मानना है कि एक बार उनके बल्ले से रन आ गए तो वह अपने असली रंग में नजर आएंगे। रजत का प्रदर्शन घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल के पिछले सत्रों में काफी अच्छा रहा है।

चिली ओपन: फाइनल मुकाबले में सेबेस्टियन बेज ने एलेजांद्रो को हराया

सैंटियागो,

अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज ने चिली के एलेजांद्रो टेबिलो को 3-6, 6-0, 6-4 से हराकर चिली ओपन, एटीपी 250 इवेंट और अपने करियर का छठा और लगातार दूसरा खिताब अपने नाम किया. इस खिताबी जीत के साथ 23 वर्षीय सेबस्टियन बेज सोमवार को एटीपी रैंकिंग में अपने करियर के बेस्ट 19वें नंबर पर पहुंच जाऐंगे और अपने हमवतन फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को पीछे छोड़ते हुए सर्वश्रेष्ठ रैंक हासिल कर लेंगे. रविवार को मिली जीत के साथ बेज ने दो हफ्ते तक अपना विजय रथ जारी रखा, जिसमें उन्होंने रियो डी जनेरियो में एटीपी 500 और चिली ओपन जीता. बात अगर चीली ओपन फाइनल मुकाबले की करें तो टेबिलो ने तेज शुरुआत की और शुरुआती सेट अपने नाम कर लिया. हालांकि, बेज ने दमदार वापसी की और दो सेट लगातार जीते. बेज ने मैच के बाद कहा, मेरे मन में कई भावनाएं हैं. मैच की शुरुआत में मुझे अच्छा महसूस

नहीं हो रहा था. मैच बेहद शानदार रहा और तीनों सेट एक दूसरे से काफी अलग थे. मैच उतार-चढ़ाव से भरा था. इसलिए, मैं बस अपनी टीम के साथ इसका आनंद लूंगा क्योंकि हमने यहां आने के लिए और उच्च रैंकिंग हासिल करने के लिए कई वर्षों से संघर्ष किया है.

विश्व एथलेटिक्स में भारत की प्रियंका को मिला सातवां स्थान

बीजिंग ।

भारत की प्रियंका गोस्वामी ने चीन में जारी विश्व एथलेटिक्स पैदल चाल टूर में सातवां स्थान हासिल किया है। प्रियंका ने एक घंटे 29 मिनट और 48 सेकेंड का समय लिया। यह देश के बाहर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होने के साथ ही करियर का तीसरा सर्वश्रेष्ठ समय है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन साल 2021 में 1:28:45 सेकेंड (राष्ट्रीय रिकॉर्ड) और 2023 में 1:28:50 सेकेंड का रहा था। इस प्रतियोगिता में पैदल चाल स्पर्धा की शीर्ष एथलीट शामिल रहीं थीं। इस एथलीट ने विश्व एथलेटिक्स पैदल चाल टूर में तीसरा व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं 20 किमी में वह सातवें स्थान पर रहीं। इसमें शीर्ष छह में पांच स्थान चीनी एथलीटों को मिले। इसमें एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता झेनजिया एमए ने 1:26:07 सेकेंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। वहीं चीन की ही जियायु यांग 1:26:07 सेकंड का समय निकालकर दूसरे स्थान पर रहीं जबकि 2020 तोक्यो

ओलंपिक की कांस्य विजेता हांग लियू 1:26:47 सेकंड का समय निकाल कर तीसरे स्थान पर रहीं। गौरतलब है कि प्रियंका आगामी गोस्वामी पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए पिछले दो महीनों से ऑस्ट्रेलिया में कैनबरा के पास ऊंचाई पर बने ट्रेनिंग सेंटर में पैदल चाल कोच ब्रेंट वालेंस के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग ले रही थीं।

मुख्य चयनकर्ता की नाराजगी श्रेयर को भारी पड़ी

नई दिल्ली । बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अनुबंध से बाहर रखे गये के बाद से ही सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं बोर्ड का कहना है कि उनका नाम वार्षिक रिटेनरशिप पाने के लिए 30 खिलाड़ियों में शामिल करने की सिफारिश नहीं की गई थी। वहीं अब इसके कारणों का अनुमान लगाया जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अय्यर जब पीठ की समस्या के कारण बड़ौदा के खिलाफ मुंबई के रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से हटे थे तो यह मामला और भड़क गया था क्योंकि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने उन्हें फिट करार दिया था। वहीं माना जा रहा है कि बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर इस बात से नाराज थे कि श्रेयस आईपीएल के लिए केकेआर की अकादमी में अभ्यास कर रहे थे। श्रेयस आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान हैं। मुख्य चयनकर्ता होने के कारण अगरकर ही केंद्रीय अनुबंधों को अंतिम रूप देते हैं। इस कारण अय्यर को केंद्रीय अनुबंध सूची से हटा दिया गया था। श्रेयस का प्रदर्शन पिछले साल हुए पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 में अच्छा रहा था। उन्होंने 11 मैचों में 530 रन बनाए थे जिसमें वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में शतक भी शामिल था। वह पीठ की चोट से परेशान रहे थे पर विश्वकप में खेलने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की थी और अपनी फिटनेस हासिल की थी। अय्यर को इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट में भी मौका दिया गया था लेकिन वह हैदराबाद में 35 और 13 का स्कोर ही बना पाए। इसके बाद विशाखापत्तनम में भी वह 27 और 29 रन बना पाए। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट मैचों के लिए भारत की टीम से बाहर कर दिया गया।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के 'ट्रंप कार्ड' साबित हो सकते हैं कुलदीप

नई दिल्ली ।

जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्वकप में चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव भारतीय टीम के लिए 'ट्रंप कार्ड' साबित हो सकते हैं। वर्ष 2018-19 के खराब प्रदर्शन और 2021 में घुटने की सर्जरी के बाद से ही कुलदीप ने प्रकार से शानदार वापसी की है। उससे उनका मनोबल भी बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीक्रिकेट में मार्च 2017 में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले कुलदीप अब परिपक्व व गेंदबाज बन चुके हैं। गेंदों की गति में लगातार बदलाव और विविधता के कारण उन्हें खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं होता। वह विरोधी बल्लेबाजों को परेशान कर ज्यादातर बार विकेट हासिल करने में सफल होते हैं। गेंदबाजी के इसी कौशल ने कुलदीप को अलग पहचान दी है। उनकी गुगली पढ़ने में बेहतरीन बल्लेबाज भी विफल रहे हैं। सीमित ओवर के क्रिकेट में आज वह टीम इंडिया के भरोसेतंद स्पिनर हैं। अब तक के प्रदर्शन से इस गेंदबाज ने अपने लंबी रेस का घोड़ा साबित किया है। आर अश्विन और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गजों की मौजूदगी में बाएं हाथ के इस कलाई के स्पिनर को टेस्ट क्रिकेट खेलने के सीमित मौके मिले हैं पर जब भी अवसर मिला, उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभाव छोड़ा है। वनडे और टी20 में कुलदीप टीम इंडिया

के वह अग्रगी स्पिनर हैं। एकदिवसीय विश्व 2023 के 11 मैचों में कुलदीप ने 28.26 के औसत से 15 विकेट लिए थे।

अंतराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में पारी में पांच विकेट हासिल करने वाले देश के एकमात्र गेंदबाज हैं। पिछले एक साल में किए गए इस शानदार प्रदर्शन का फायदा कुलदीप को केन्द्रीय अनुबंध में से से बी ग्रेड मिला है। वहीं इसी माह होने वाले आईपीएल में भी कुलदीप पर सभी की नजरें रहेंगी। वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए अंतर पैदा करते नजर आएंगे। दिल्ली कैपिटल्स ने 2022 में दो करोड़ रुपये की राशि में उन्हें अपने साथ जोड़ा था। आईपीएल 2022 में जबर्दस्त प्रदर्शन करते हुए इस चाइनामैन बॉलर ने 14 मैचों में 19.95 के औसत से 21 विकेट लिए थे लेकिन पिछला सीजन कुलदीप और उनकी टीम के लिए अच्छा नहीं रहा था। तब कुलदीप को 14 मैचों में 36.10 के औसत से 10 विकेट ही मिल पाए थे।

संक्षिप्त समाचार

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ओरूर्के टेस्ट से बाहर हुए , सीयर्स शामिल

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विल ओरूर्के चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से शुरु होने वाले दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। ओरूर्के की मांसपेशियों में खिंचाव आया है। अब उनकी जगह पर बेन सीयर्स को टीम में शामिल किया गया है। सीयर्स ने न्यूजीलैंड की ओर से अभी तक 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले हैं पर अभी तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्राइस्टचर्च में होने वाले टेस्ट मैच से वह टेस्ट डेब्यू करेंगे। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे भी चोटिल होने के कारण पहले ही टीम से बाहर हो गये थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में उनके अंगूठे में चोट लग गई थी जिसके लिए उनकी सर्जर होगी। इस कारण वह कम से कम आठ सप्ताह तक खेल से दूर रहेंगे। वहीं न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने बताया कि ओरूर्के करीब एक माह तक मैदान से बाहर रहेंगे। उन्होंने कहा कि सीयर्स ने अपने प्रदर्शन से अब तक सभी को प्रभावित किया है। स्टीड ने कहा, ' स्टोक्स अच्छे कौशल वाला युवा गेंदबाज है। वह अच्छी गति से गेंदबाजी करता है और उसे अच्छी उछाल मिलती है जो टेस्ट क्रिकेट में बेहद अहम होती है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच 172 रन से जीत कर सीरी में पहले ही 1-0 की बढ़त ली हुई है।

महिला प्रीमियर लीग : लैनिंग के अर्धशतक से गुजरात जायंट्स को हराकर शीर्ष पर पहुंची दिल्ली कैपिटल्स

बेंगलुरु । कप्तान मेग लैनिंग के शानदार अर्धशतक के बाद जेस जोनासेन और राधा यादव की अच्छी गेंदबाजी से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट के 10वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात जायंट्स को 25 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स बेहतर नेट रन रेट के आधार पर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लैनिंग ने 41 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाकर 55 रन बनाये। टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 163 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात जाइंट्स 20 ओवरों में आठ विकेट पर 138 रन ही बना पायी। जोनासेन और राधा ने तीन-तीन विकेट लिए। दिल्ली के अब चार मैचों में छह अंक हैं, जो मुंबई इंडियंस के समान है पर दिल्ली कैपिटल्स के 1.251 की तुलना में उनका स्कोर 0-402 कम है। वहीं यूपी वारियर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के चार-चार अंक हैं और वे तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। गुजरात टाइटंस सभी मैच हारने के कारण शून्य अंकों के साथ सबसे निचले स्थान पर है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लैनिंग ने दिल्ली कैपिटल्स की पारी को संभाला क्योंकि तीसरे ओवर में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा 13 रन बनाकर आउट हो गयीं थीं। इसके बाद लैनिंग और एलिस कैप्सी ने दूसरे विकेट के लिए 38 रन बनाये। मेघना 27 रन बनाकर आउट हुई। जेमिमा रोड्रिग्स भी इस मैच में विफल रही। वहीं गुजरात टाइटंस की ओर से मेघना ने 4 जबकि एशले गार्डनर ने 2 विकेट लिए।

गंभीर ने आईपीएल को सबसे कठिन लीग बताया

जीत के लिए करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर गौतम गंभीर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को सबसे मुश्किल लीग बताते हुए कहा कि इसे जीतने के लिए उनकी टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। अपनी कप्तानी में केकेआर को दो बार जीत दिलाने वाले गंभीर हाल ही में फ्रेंचाइजी में मेंटोर के तौर पर जुड़े हैं। गंभीर ने कहा कि आईपीएल मानकों के मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे करीब है और यह दुनिया की सबसे कठिन लीग है।

गंभीर ने कहा कि मैंने पहले दिन ही साफ कर दिया था कि ये लीग मेरे लिए एक गंभीर क्रिकेट है। यह बॉलीवुड के बारे में नहीं है, यह आपके बारे में नहीं है, यह पार्टी और अन्य चीजों के बारे में नहीं है। यह बाहर जाने और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के बारे में है। मुझे लगता है कि यह दुनिया की सबसे कठिन लीग है क्योंकि यह उचित क्रिकेट है। यह शायद किसी भी अन्य लीग की तुलना में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे करीब है और यदि आप एक सफल फ्रेंचाइजी के रूप में पहचान बनाना चाहते हैं, तो आपको क्रिकेट के मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए। टीम को अपना पहला मुकाबला 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है। इसमें के के आर का लक्ष्य जीत से शुरुआत करना रहेगा। उन्होंने टीम

के प्रशंसकों की भी सराहना करते हुए उन्हें भावुक बताया है। गंभीर ने कहा कि केकेआर के पास बहुत भावुक प्रशंसक हैं। हमें उनके लिए ईमानदार होने की जरूरत है। हमें कोशिश करने की जरूरत है और शायद उनकी मुस्कुराहट पर वह खुशी लाने की जरूरत है क्योंकि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सबसे वफादार प्रशंसक कोलकाता के प्रशंसक रहे हैं। बता दें कि कोलकाता नाइट राइडर्स अपना पहला आईपीएल मैच के खिलाफ खेलेगी।

आईपीएल 2024 : सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करेंगे कमिंस

नई दिल्ली । सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 सत्र के लिए ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस को टीम का नया कप्तान बनाया है। सीएसके ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कमिंस को कप्तान बनाये जाने की बात सार्वजनिक की है। वहीं गत दो सत्र में दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्कराम टीम के कप्तान थे पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। आईपीएल 2023 सत्र में टीम 14 मैचों में से केवल चार मैच ही जीत पायी थी। वहीं कमिंस की कप्तान में ऑस्ट्रेलियाई टीम का प्रदर्शन बेहतरीन रहा था। टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के अलावा एशेज और एकदिवसीय विश्वकप भी जीता जिससे कमिंस की नेतृत्व क्षमता साबित हुई है। यह पहली बार होगा जब कमिंस आईपीएल में किसी टीम की कप्तानी करते हुए दिखेंगे। वह डेविड वार्नर के बाद हैदराबाद के कप्तान बनने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई भी बन गए जिन्होंने 2015 से 2021 तक 67 मैचों में फ्रेंचाइजी का नेतृत्व किया। पिछले साल दुबई में आईपीएल नीलामी में कमिंस को फ्रेंचाइजी ने 20.5 करोड़ रुपए में खरीदा था, जिससे वह लीग के इतिहास में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे। कमिंस इससे पहले आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा रहे हैं। आईपीएल 2016 की विजेता सनराइजर्स हैदराबाद 23 मार्च को ईडन गार्डन्स में दो बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

कॉनवे के चोटिल होने से सीएसके को लगा झटका

मुम्बई । न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे ऑस्ट्रेलिया के साथ जारी टी20 सीरीज में चोटिल हो गये हैं। इसके कारण अब उनकी सर्जरी की जाएगी। ऐसे में उन्हें करीब तीन माह तक खेल से दूर रहना पड़ेगा। कीवी खिलाड़ी कॉनवे की चोट से आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की मुश्किलें भी बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि कॉनवे सीएसके टीम के प्रमुख बल्लेबाज हैं। सीएसके की ओर से अब तक 23 मैच खेलकर कॉनवे ने 48 की औसत से 9 अर्धशतक लगाकर कुल 924 रन बनाए हैं। अब सर्जर के बाद उनका टूर्नामेंट से बाहर होना तय है। सीएसके की ओर से कॉनवे ने गत दो सत्र में शानदार प्रदर्शन किया था। कॉनवे अब टूर्नामेंट से पहले ही अंगूठे में चोट के कारण मई तक मैदान से बाहर रहेंगे। कॉनवे को लेकर न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया पर कहा कि इस बल्लेबाज की चोट गंभीर है और उनको अगले सप्ताह सर्जरी करानी होगी। उनके अंगुठे में गंभीर चोट आई थी और सर्जरी के बाद आठ सप्ताह तक वह मैदान से बाहर रहेंगे। कॉनवे ने पिछले सत्र में चेन्नई की ओर से अच्छी बल्लेबाजी की थी। 1 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किए गए इस बल्लेबाज ने 16 मैच में 6 अर्धशतक लगाकर कुल 672 रन बनाये हैं।

मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर गार्डियोला की रणनीति अपनाएं स्टोक्स : वॉन

लंदन ।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि कप्तान बेन स्टोक्स को मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल क्लब के मैनेजर पेप गार्डियोला वाली रणनीति अपनानी चाहिये। वॉन के अनुसार भारतीय टीम के खिलाफ स्टोक्स की 'बैजबॉल रणनीति विफल रही है। इससे टीम के हाथों सीरीज निकल गयी है। ऐसे में उन्हें गार्डियोला की रणनीति बनानी चाहिये जिसमें कहा गया है कि किसी भी खिलाड़ी को अपने स्थान को हल्के में नहीं लेना चाहिए। गार्डियोला पिछले 15 साल में खेल के सर्वश्रेष्ठ मैनेजर बने हुए हैं। पूर्व कप्तान ने कहा कि कोच ब्रैंडन मैकुलम और स्टोक्स की आक्रामक रणनीति भारत के मौजूदा दौरे पर कारगर नहीं रही है। इंग्लैंड की टीम 5 मैच की टेस्ट श्रृंखला में 1-3 से पीछे है जबकि उसने पहला टेस्ट हैदराबाद में जीता था। वॉन ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों के रवैये पर भी सवाल उठाए हैं। साथ ही कहा कि कि उन्हें जिम्मेदारी से खेलना होगा। उन्होंने कहा , मैं आमतौर पर गार्डियोला के रवैये का जिक्र करता हूं। मेरी नजरों में वह इस पीढ़ी और आप कह सकते हैं कि पिछले 15 साल से खेल के सबसे बेहतर मैनेजर हैं। वह अपने खिलाड़ियों को कभी भी सहज नहीं होने देते। वह हमेशा उन्हें सोचते रहने देते हैं क्योंकि खिलाड़ी जानते हैं कि उनकी जगह पक्की नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर उनके जैसा मैनेजर सभी खिलाड़ियों को सतर्क बनाए रखता है तो इंग्लैंड क्रिकेट टीम को भी इस तरह सहज नहीं होना चाहिए जैसी वह लगती है। उन्होंने कहा

कि पूरा बल्लेबाजी लाइन अप पहले ही जानता है कि इस दौरे पर वे अगले मैच में भी खेलेंगे पर ऐसा नहीं होना चाहिये। इस दौरे के बाद हैरी ब्रुक वापसी कर लेगा। वह 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करेगा। वॉन ने साथ ही इंग्लैंड की चयन नीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चयन में खिलाड़ियों की निरंतरता से उन्हें सहज बनाना सही है पर अगर उससे हार मिल रही है तो बदलाव भी जरुरी है।

शार्दुल ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में छक्का लगाकर शतक पूरा किया

नई दिल्ली । टीम इंडिया से बाहर चल रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने रणजी ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेलते हुए सेमीफाइनल मुकाबले में तमिलनाडु के खिलाफ शानदार शतक लगाया है। ये शार्दुल के करियर का पहला शतक है। शार्दुल ने छक्का जड़कर अपना शतक पूरा करने के बाद अपने ही अंदाज में जश्न भी मनाया। शार्दुल ने 9वें नंबर पर उतरकर 13 चौके और 4 छक्के लगाकर 104 गेंदों पर 109 रन बनाए। शार्दुल ने शतक लगाने के बाद हवा में उछलकर मुक्का मारा और अपनी टीम के ड्रेसिंगरूम की ओर उंगली दिखाई। मुम्बई टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने भी ताली बजाकर उनके शतक की खुशी मनायी। शार्दुल ने पहले गेंदबाजी में 2 विकेट लिए और उसके बाद जबरदस्त बल्लेबाजी की। वहीं पहली पारी में उन्होंने 2 विकेट भी लिए थे। इस मुकाबले में मुम्बई ने तमिलनाडु को पहली पारी में 146 रन पर आउट करने के बाद अपनी पहली पारी में 9 विकेट पर 353 रन बना लिए थे। इस प्रकार मुंबई की बढ़त 207 रन पहुंच गयी है। टीम को बड़ी बढ़त दिलाने में शार्दुल की अहम भूमिका रही। शार्दुल का कहना है कि उनकी नजर अभी टीम इंडिया में वापसी पर नहीं है। अभी वह रणजी ट्रॉफी के बाद आईपीएल पर ध्यान देंगे। शार्दुल ने अबतक 11 टेस्ट , 47 एकदिवसीय और 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। दिसंबर में उन्होंने अंतिम बार दक्षिण अफ्रीक के खिलाफ एक टेस्ट खेला था। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं।

विरल देसाई की अध्यक्षता में संस्कार विद्याभवन स्कूल में संपन्न हुआ वार्षिक उत्सव

सुरत भुमि, सूरत। ओडिशा समाज की प्रतिष्ठित स्कूल संस्कार विद्याभवन अमरोली में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर विख्यात पर्यावरणविद एवम युवा उद्यमी विरल देसाई उपस्थित थे। स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में अभिभावकों समेत ओडिशा समाज के लोग बड़ी संख्या उपस्थित थे।

वार्षिक उत्सव का आरंभ दीप प्रज्वलन के और गणेश वंदना के साथ हुआ। इसके बाद संस्कार विद्याभवन के विद्यार्थियों ने गीत, गायन, नृत्य, नाटिका आदि विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों की प्रतिभा ने। सभी का मनमोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित विरल देसाई ने विद्यार्थियों और सूरत में बसे ओडिशा समाज के लोगों के समक्ष प्रेरक प्रवचन दिया। उन्होंने कहा कि सूरत आज दुनिया का सबसे तेजी से आगे बढ़ता शहर है। इसके मूल में ओडिशा समाज के लोगों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सूरत स्वच्छता में नंबर एक रहा हो या रोजगार का केपिटल बना हो इसके पीछे ओडिशा समाज की मेहनत भी जिम्मेदार है। सूरत के विकास में अन्य समाज की तरह ही ओडिशा समाज का भी बड़ा योगदान रहा है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की भी प्रशंसा की। कार्यक्रम मार्गदर्शक के तौर पर विपुल रुखडिया भी मौजूद थे। उन्होंने ने भी विद्यार्थियों को जीवन में सफलता के गुर सिखाए।

वेडरोड पर गजानन महाराज का 146 वा प्रकट दीन मनाया गया

सूरत ।

वेडरोड स्थित आनंद पार्क सोसायटी में श्री गजानन महाराज मंदिर में रविवार को गजानन महाराज का 146 वा प्रकट दीन मनाया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए मंदिर के पुजारी गजानन महाराज ((दीवाने) तथा ईश्वर महाराज (दीवाने) नें जानकारी देते हुए बताया कि उनके स्वर्गीय पिता प,पूज्य श्री हरिदास लक्ष्मण दीवाने (महाराज ने गुजरात के सूरत में गजानन महाराज का मंदिर निर्माण किया है। पिछले कई सालों से हर वर्ष श्री गजानन महाराज प्रकट दीन मनाया जाता है। रविवार सुबह 5बजे से महाराज की मूर्ती पर अभिषेक एवं महाआरती के बाद दीन भर महाप्रसादी का लाभ भक्तो ने लिया।रात्रि में भजन-कीर्तन का आनंद भक्तो ने जमकर उठाया। कार्यक्रम में बिहार विकास मंडल के अध्यक्ष प्रभुनाथ प्रसाद यादव,चंदूभाई झंडावाला, देविदास खेडकर,सागर जाधव गुरुजी, माली समाज युवक मंडल के पूर्व अध्यक्ष नामदेव माली,सुधाकर बर्वे, डीगंबर भोगरे, गौरव साळी,तथा अन्य महानुभाव उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य निमाया विमेन सेंटर फॉर हेल्थ और ट्रैफिक विभाग ने किया दौड़ का आयोजन

सुरत भुमि, सूरत।

निमाया विमेन सेंटर फॉर हेल्थ की ओर से महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके तहत ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर रविवार को लगातार सातवीं बार "निमाया ग्रेट रन-2024" आयोजन किया गया। इस दौड़ में 2500 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

समूचे आयोजन को लेकर

निमाया विमेन सेंटर फॉर हेल्थ की डायरेक्टर पूजा नाडकर्णी सिंह ने बताया कि निमाया लगातार महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास कर रही है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देती हैं, तब महिलाओं को जागृत करने की जरूरत है। इसी उद्देश्य के साथ हर साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मैराथन दौड़ "निमाया ग्रेट रन" का आयोजन किया जाता है। इस बार भी निमाया ग्रेट रन का आयोजन 3 मार्च को सुबह 6 बजे किया गया। जिसमें ट्रैफिक पुलिस विभाग व स्वयं सेवकों का सहयोग मिला। करीब 2500 महिलाओं ने दौड़ में भाग लिया और ट्रैफिक जागरूकता, विमेन सेफ्टी ऑन रोड और हेल्थी विमेन फॉर सोसायटी का संदेश दिया।

निमाया ग्रेट रन का आयोजन इंडोर स्टेडियम से किया गया। डीसीपी ट्रैफिक अमिता वानाणी, डीसीपी विशेष शाखा हेतल पटेल और निमाया विमेन सेंटर फॉर डायरेक्टर पूजा नाडकर्णी सिंह ने हरी झंडी दिखाई। केबल स्टेट ब्रिज से इंडोर स्टेडियम पर दौड़ पूरी हुई। प्रत्येक फिनिशर को मेडल से सम्मानित किया गया।

"उधना मेडिकल एसोसिएशन क्रिकेट प्रीमियर लीग 2024" में "श्रद्धा सुपर लायन" टीम विजय होकर चैंपियन बनी

सुरत भुमि, सूरत।, 3/3/2024 के रोज उधना मेडिकल एसोसिएशन अयोजित "उधना मेडिकल एसोसिएशन क्रिकेट प्रीमियर लीग 2024" की प्रतियोगिता में पांडेसरा केएसबी ओर्लपिया कैलाश चौकड़ी स्थित "श्रद्धा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल" की टीम "श्रद्धा सुपर लायन" विजय होकर चैंपियन बनी है। ये प्रतियोगिता टोटल 4 टीम के बीच थी जिसमें श्रद्धा सुपर लायन, यूनिक हॉस्पिटल की टीम, यूनियन पेंडोरा टीम और स्थावर टीम थी, जिसमें से बाकी की टीम को खेल दिल से हराकर श्रद्धा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की टीम चैंपियन बनी है। टीम के मालिक डॉ पवन डी पटेल एमडी मेडिसिन ने जीत का श्रेय अपने सभी साथी टीम के सदस्य को दिया है। उनकी टीम की मेहनत, नियमित नेट अभ्यास और उनकी टीम के कप्तान डॉ. जिग्नेश पटेल की सर्वश्रेष्ठ कप्तान की गुणवत्ता को बताया गया। उधना मेडिकल एसोसिएशन के लगभग 80-90 डॉक्टर्स ने एसोसिएशन की ये प्रतियोगिता का लुफ्त उठाया और ग्राउंड पे सुबह 6:30 बजे से शाम 7 बजे तक एक अलग ही रोमांच छाया हुआ था।

फाल्गुन महोत्सव का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। शृंगार मित्र मण्डल द्वारा फाल्गुन महोत्सव का भव्य आयोजन वेसू स्थित शृंगार रेजीडेंसी में किया गया। इस मौक़े पर शनिवार को विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया । जिसमें आमंत्रित कलाकारों द्वारा प्रस्तुती दी गई। आयोजन में रविवार को विशाल निशान यात्रा का आयोजन रेजीडेंसी से श्याम मंदिर तक किया गया। इस दौरान सोसायटी के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

श्री सालासर धर्मार्थ दवाखाना के रजत जयंती महोत्सव में झूमे श्रद्धालु

सुरत भुमि, सूरत।

श्री सालासर हनुमान प्रचार मंडल द्वारा श्री सालासर धर्मार्थ दवाखाना के सफलत्तम 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती महोत्सव का आयोजन सोमवार को किया गया। इस मौक़े पर रिंग रोड़ स्थित ऋषभ टेक्सटाइल मार्केट प्रांगण में सालासर बालाजी का दरबार सजाया गया। सुबह सवा ग्यारह बजे से विशाल भजन गुणगान का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय गायक कलाकार प्रस्तुति दी। इस दौरान सालासर बालाजी के भजनों की शानदार प्रस्तुति हुई। आयोजन में धर्मार्थ दवाखाने के दानदाताओं का मंडल द्वारा भव्य सम्मान भी किया गया। आयोजन में दोपहर एक बजे से विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। रजत जयंती महोत्सव में मण्डल के सदस्यों के अलावा अनेकों लोग उपस्थित रहें।

"प्राण प्रतिष्ठा राम की... भजन संध्या श्याम की..."

सुरत भुमि, सूरत।

श्री श्याम परिवार द्वारा "प्राण प्रतिष्ठा राम की... भजन संध्या श्याम की..." का भव्य आयोजन रविवार को किया गया। इस मौक़े पर बाबा श्याम का भव्य दरबार वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर के लखदातार हॉल में सजाया गया। शृंगारित दरबार के समक्ष शाम साढ़े पाँच बजे अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। इसके पश्चात विशाल भजन संध्या की शुरुआत हुई। भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार अजीत दाधीच, संगीता गुप्ता, जयप्रकाश सोनी की अलावा कोलकाता से आमंत्रित गुरुजी जयशंकर चौधरी ने भजनों की प्रस्तुति दी। जयशंकर चौधरी "प्राण प्रतिष्ठा राम की... भजन संध्या श्याम की..." सहित अनेकों भजनों एवं फाल्गुन धमाल की प्रस्तुति दी। देर रात तक चली भजन संध्या में हज़ारों भक्तों ने नाच गा कर बाबा को रिझाया। इस मौक़े पर अखंड ज्योत, आलौकिक शृंगार, इत्र-फुहार, पुष्प-वर्षा, महाप्रसाद आदि आकर्षण का केंद्र रहें।

कोट्यार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वेराकार्बन (कार्बन क्रेडिट के लिए वैश्विक मानक) के साथ बायोडीजल क्षेत्र में क्रेडिट प्रमाणन की उपलब्धि हासिल की है

सूरत।

कोट्यार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड कार्बन प्रमाणन के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मानक, वेरा कार्बन के तहत मान्यता की अपनी हालिया उपलब्धि की घोषणा करते हुए रोमांचित है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि कोट्यार्क को परिभाषित करती है बायो डीजल इस क्षेत्र में यह उपलब्धि स्वीकार करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है।

नवीन और पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को अपनाकर, कोट्यार्क इंडस्ट्रीज ने 15 सितंबर 2020 से 31 मार्च 2022 तक 57,874 कार्बन क्रेडिट सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। वेरा रजिस्ट्री दिनांक 2 मार्च 2024। यह उपलब्धि न केवल हमारे समर्पण का प्रमाण है। पर्यावरणीय पदचिह्न हमें जैव डीजल क्षेत्र के सतत विकास में एक नेता के रूप में भी स्थापित करता है।

इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, गौरांग शाह ने कहा, ‘‘हमें वेरा से यह सम्मान प्राप्त करने पर बहुत गर्व है, जो हमारी टीम की कड़ी मेहनत और अभिनव भावना का प्रमाण है जो हमारी कंपनी को आगे बढ़ाता है। यह उपलब्धि एक मील का पत्थर है कोट्यार्क। एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर, उद्योग अधिक टिकाऊ जैव डीजल उद्योग की दिशा में यात्रा में अग्रणी के रूप में हमारी भूमिका पर प्रकाश डालता है और पर्यावरण की दृष्टि से जिम्मेदार भविष्य भी सुनिश्चित करता है।

उन्होंने आगे कहा, ‘‘कार्बन क्रेडिट की मंजूरी न केवल हमारे पर्यावरणीय प्रयासों की मान्यता है, बल्कि अगले 21 वर्षों के लिए अतिरिक्त राजस्व का एक आशाजनक अवसर भी है। निरंतर वित्तीय लाभ की यह संभावना आर्थिक व्यवहार्यता और पर्यावरण के बीच तालमेल में हमारे विश्वास को मजबूत करती है।‘‘ स्थिरता और हम इस पुण्य चक्र को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कोट्यार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड इस उपलब्धि को अपने संस्थापक सिद्धांत का प्रतिबिंब और एक महत्वपूर्ण कदम मानता है। स्थिरता के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की ओर। हम आपके निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं और अधिक हरियाली की दिशा में मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।

शैल द्वारा 15 कि.मी. प्रति टैंक की माइलेज बढ़ाने के लिए नया और बेहतर ईंधन पेश किया जा रहा है

शेल ने भारतीय बाजार में दोपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए ईंधन की अपनी नई और बेहतर रेंज पेश की। नए ईंधन फॉर्मूलेशन में अगली पीढ़ी की जमा लक्ष्यीकरण तकनीक शामिल है जो हानिकारक अपशिष्ट को हटाती है, इंजन की स्थिति की रक्षा करती है और दोपहिया और चारपहिया दोनों वाहनों के लिए प्रति टैंक 15 किलोमीटर तक चलती है।

150 वैज्ञानिकों की एक वैश्विक टीम द्वारा पांच साल के व्यापक शोध और 3 मिलियन किलोमीटर के परीक्षण के बाद विकसित नए ईंधन की नई श्रृंखला, यह इंटेक वाल्व और ईंधन इंजेक्टर जैसे महत्वपूर्ण इंजन भागों से हानिकारक मलबे को हटाने के लिए अगली पीढ़ी की जमा लक्ष्यीकरण तकनीक का उपयोग करता है, जिससे सुचारू और कुशल कामकाज सुनिश्चित होता है जो उच्च माइलेज सुनिश्चित करता है।

नई रेंज पेश करते हुए, शेल मोबिलिटी इंडिया के निदेशक, संजय वर्की कहते हैं, "जैसे-जैसे ग्राहक अपने वाहनों को अधिक परिष्कृत इंजनों के साथ अपग्रेड करते हैं, हम आपको ऐसे उत्पाद प्रदान करने का प्रयास करते हैं जो आपको सर्वोत्तम ड्राइविंग अनुभव प्रदान करते हैं। हमारे नए और बेहतर ईंधन में अगली पीढ़ी की जमा लक्ष्यीकरण तकनीक शामिल है, जो हानिकारक जमा को हटाती है, इंजन की स्थिति की रक्षा करती है और टैंक क्षमता को 15 किमी तक बढ़ाती है। यह हमारे ग्राहकों की यात्रा को बेहतर बनाने के लिए निरंतर नवाचार और बेहतर गतिशीलता समाधान विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ईंधन की नई और उन्नत श्रृंखला के साथ, शेल ने एक नया अभियान, च्शेल फ्यूल्स से अधिक की उम्मीद करेंज भी पेश किया है, जो अपने ग्राहकों को बेहतर अनुभव के साथ-साथ अतिरिक्त मूल्य प्रदान करने वाले बेहतर ईंधन विकसित करने के लिए शेल के समर्पण को दर्शाता है।

एमजी मोटर इंडिया ने लांच किए न्यू हेक्टर वैरिएंट्स शाइन प्रो और सेलेक्ट प्रो हेक्टर की कीमत अब 13.99 लाख रुपये से शुरू

गुरुग्राम। एमजी मोटर इंडिया ने भारत की पहली इंटरनेट एसयूवी – एमजी हेक्टर के दो नए वैरिएंट लांच करने की घोषणा की है। शाइन प्रो और सेलेक्ट प्रो नाम के नए वैरिएंट्स में सुरक्षा और ड्राइविंग सुविधा के साथ-साथ कई नए फीचर्स और सहज तकनीक शामिल हैं। सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ पेशकश और अद्वितीय डिजाइन तत्वों के साथ मानकीकृत/स्टैंडर्डराइन्ड बोल्ड-स्ट्राइकिंग एक्सटीरियर और इंटीरियर के साथ, एमजी हेक्टर अब 13.99* लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की आकर्षक कीमत पर शुरू होती है।

अपने डुअल पैन पैनोरमिक सनरूफ* जैसी सर्वश्रेष्ठ पेशकशों के साथ एमजी हेक्टर एसयूवी उत्साही लोगों के लिए एक बेहतरीन मूल्य प्रस्ताव है, जो अपने वाहनों में प्रौद्योगिकी और शीर्ष प्रदर्शन पसंद करते हैं। दोनों नए वैरिएंट शाइन प्रो और सेलेक्ट प्रो भारत के सबसे बड़े 14-इंच एचडी पोर्ट्रेट इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो और एक वायरलेस फोन चार्जर के साथ एक बेहतर इन-कार इंफोटेनमेंट अनुभव प्रदान करते हैं।

हेक्टर के नए वैरिएंट्स में एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, फ्लोटिंग लाइट टर्न इंडिकेटर, एलईडी ब्लेड कनेक्टेड टेल लैंप, क्रोम आउटसाइड डोर हैंडल शामिल हैं। प्रीमियम अपहोल्स्ट्री और लेदर रैप्ड स्टीयरिंग में ऑल ब्लैक थीम के साथ, ब्रश मेटल फिनिश (सीवीटी 5-सीटर) के साथ शाइन प्रो और सेलेक्ट प्रो दोनों वैरिएंट 17.78 सेमी एंबेडेड एलसीडी स्क्रीन के साथ फुल डिजिटल क्लस्टर के साथ आते हैं। आराम और सुविधा के मोर्चे पर शाइन प्रो और सेलेक्ट प्रो स्मार्ट कुंजी के साथ पुश बटन इंजन स्टार्ट/स्टॉप प्रदान करता है। नए वैरिएंट सेगमेंट में पहली बार डिजिटल ब्लूटूथ0 की (कुंजी/Ke4)और की साझा करने की क्षमता* भी प्रदान करते हैं।

सैमसंग ने गैलेक्सी F15 5G का किया अनावरण

गुरुग्राम ।

भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने गैलेक्सी F15 5G के लॉन्च का एलान कर दिया है। यह पहले के फ़ोनों से अलग तरह का फ़ोन है और यूजर्स को कई सेगमेंट-विशिष्ट खास फीचर्स के साथ एक बेहतर स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करेगा। गैलेक्सी F15 5G अपने सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ 6000mAh बैटरी और इस सेगमेंट की अन्य विशिष्ट खूबियों, जैसे कि एसएमोलेड (सुपर एमोलेड) डिस्प्ले, 4 जेनरेशन एंड्रॉइड अपग्रेड और पांच वर्ष तक सिक्योरिटी अपडेट्स के कारण सबसे खास है। इन खूबियों के साथ यूजर आने वाले कई वर्षों तक नवीनतम खूबियों और बेहतर सुरक्षा का आनंद उठा सकते हैं।

सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के वाईस प्रेसिडेंट, आदित्य बब्बर ने कहा "गैलेक्सी F15 5G का लॉन्च, 2024 में गैलेक्सी स्र सीरीज स्मार्टफोन की हमारी पहली पेशकश है। यह लॉन्च दमदार उपकरणों के जरिए अपने ग्राहकों के जीवन को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। गैलेक्सी F15 5G का लॉन्च उपयोगी इनोवेशन के प्रति हमारे अटूट समर्पण को दर्शाता है जो यूजर्स को अपनी पूरी क्षमता को अनलॉक करने में समर्थ बनाएगा।"

उन्होंने आगे कहा कि, "एसएमोलेड डिस्प्ले, 4 जेनरेशन एंड्रॉइड अपग्रेड ,पांच साल तक सिक्योरिटी अपडेट और 6000mAh की सेगमेंट बेस्ट बैटरी जैस सेगमेंट फर्स्ट फीचर्स के साथ हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि गैलेक्सी F15 5G के साथ यूजर्स, खासकर नई पीढ़ी के तेज़-तर्रार जीवन जीने वाले यूजर्स को स्मॉर्टफोन इस्तेमाल करने का शानदार अनुभव मिले।"

डिज़ाइन और डिस्प्ले: गैलेक्सी F15 5G प्रीमियम सिग्नेचर गैलेक्सी लुक के साथ दिखने में शानदार है। गैलेक्सी F15 5G में शानदार व्यूइंग अनुभव के लिए सेगमेंट-ओनली 6.5" एसएमोलेड (सुपर एमोलेड) डिस्प्ले दिया गया है। एसएमोलेड डिस्प्ले के साथ, सोशल मीडिया फ़ीड के जरिए स्क्रॉल करना तकनीक-प्रेमी जेन जेड और मिलेनियल ग्राहकों को एक बेहतर अनुभव देता है। यह तेज धूप में भी स्पष्ट दिखाई देता है। ऐश ब्लैक, ग्रूव्ही वॉयलेट और जैज़ी ग्रीन रंगों में उपलब्ध, गैलेक्सी F15 5G हर शैली से मेल खाने के लिए रंगों के कई विकल्प प्रदान करता है।

बैटरी: गैलेक्सी F15 5G सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ 6000 एमएएच बैटरी के साथ आता है जो इस स्मार्टफोन को दो दिनों तक पावर दे सकता है। इससे उपयोगकर्ता अपने पसंदीदा मनोरंजन का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा, 25W सुपर-फास्ट चार्जिंग डिवाइस को जल्द चार्ज करती है, जिससे आप पूरे दिन कनेक्टेड और प्रोडक्टिव बने रहें।

प्रोसेसर: शानदार सेगमेंट-ओनली फीचर्स के साथ गैलेक्सी स्र15 5ज में मीडियाटेक डाइमेंशन 6100+ चिपसेट लगाया गया है। ये तमाम बड़े कामों को आसानी से संभालने में सक्षम है। इसके अलावा, यह रैम प्लस फीचर के साथ आता है जो 12 जीबी तक का अतिरिक्त वर्चुअल रैम प्रदान करता है। यह सुनिश्चित करता है कि सभी ऐप सुचारू रूप से काम कर सकें। यह प्रोसेसर डिवाइस की मल्टीटास्किंग क्षमताओं को बढ़ाता है।

कैमरा: गैलेक्सी F15 5G में वीडियो डिजिटल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन (VDIS) के साथ 50MP का ट्रिपल कैमरा सेटअप है, जो वीडियो में स्थिर या अस्थिर गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले धुंधलेपन को कम करता है। गैलेक्सी F15 5G में क्रिस्प और साफ सेल्फी के लिए 13MP का फ्रंट कैमरा भी है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)